दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 61 | ग्वालियर, बुधवार 21 अप्रैल 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

कोरोना की चपेट में आए पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह, एम्स में भर्ती

नयी दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह भी कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आ गए हैं. सोमवार को मनमोहन सिंह की तबीयत खराब हुई और कोविड के लक्षण दिखाई दिए जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए आल इंडिया मेडिकल इंस्टीट्यूट में भर्ती करवाया गया है. कोरोना संक्रमित होने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री को दिल्ली एम्स के ट्रामा सेंटर में भर्ती करवाया गया है. आपको बता दें कि इसके पहले रविवार को ही पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर टीकाकरण कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का आग्रह किया था. वहीं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ट्वीट करके उनके स्वास्थ्य की कामना की है. कमलनाथ ने ट्वीट करके लिखा, देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह जी के अस्वस्थ होने की जानकारी मिली। ईश्वर से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ. पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने रविवार को पीएम मोदी को लिखे गए पत्र में कहा था कि, मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि मैं रचनात्मक सहयोग की भावना से आपके विचार के लिए उन्हें आगे रख रहा हूं, जिसमें मैंने हमेशा विश्वास किया है और उन पर अमल किया है. पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने सुझावों में कहा कि सरकार को यह प्रचारित करना चाहिए कि विभिन्न वैक्सीन उत्पादकों को खुराकों के लिए क्या ठोस आदेश हैं और अगले छह महीनों में वितरण के लिए कितने स्वीकार किए जाने हैं और सरकार को यह बताना चाहिए कि पारदर्शी फार्मूले के आधार पर राज्यों में अपेक्षित आपूर्ति का वितरण कैसे किया जाएगा. उन्होंने कहा था, केंद्र सरकार आपात जरूरतों के आधार पर वितरण के लिए 10 प्रतिशत रख सकती है, लेकिन इसके अलावा, राज्यों के पास संभावित उपलब्धता का स्पष्ट संकेत होना चाहिए, ताकि वे अपने हिसाब से वितरण की योजना बना सकें. मनमोहन सिंह ने कहा कि टीकाकरण में राज्यों को अग्रिम पंक्ति के कामगारों की श्रेणियों को परिभाषित करने के लिए कुछ लचीलापन दिया जाना चाहिए, ताकि 45 वर्ष से कम आयु के होने पर भी टीका लगाया जा सके.

चुनावी रैलियों पर बीजेपी का बड़ा फैसला अब सिर्फ 500 लोग ही शामिल होंगे

नई दिल्ली। देश में बढ़ते हुए कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने एक बड़ा फैसला किया है. बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने देश में बढ़ते हुए कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों को देखते हुए चुनावी रैलियों में अब सिर्फ 500 लोगों को ही शामिल होने को कहा है. बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी सहित सभी नेताओं की रैलियों में सिर्फ 500 लोगों की भीड़ ही जुटेगी. जेपी नड्डा ने बताया कि देश में पिछले कुछ दिनों से बढ़ते हुए कोरोना संक्रमण के मामलों को देखते हुए हमने ये फैसला लिया है. उन्होंने कहा कि अब हमारी पार्टी छोटी रैलियां ही करेगी. भारतीय जनता पार्टी ने जारी किए गए पत्र में कहा कि, कोविड महामारी का यह दौर हम सबके लिए कठिन परीक्षा और धैर्य का समय है. माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमने एकजुट होकर पहले भी कठिन से कठिन चुनौतियों पर विजय पाई है और इस बार भी हम कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर को भी पराजित करके रहेंगे. संक्रमण के कठिन दौर को देखते हुए कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ना बहुत जरूरी है. इसके तहत भारतीय जनता पार्टी ने तत्काल प्रभाव से बड़ी रैलियों, जनसभाओं एवं आयोजनों पर रोक लगाने का निर्णय लिया है. पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव चल रहे हैं और इस संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पूर्ण होना भी जरूरी है.

रैलियों में महज 500 लोग होंगे और कोविड गाइड लाइंस का पालन करेंगे

इन बातों को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी ने निर्णय लिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित सभी केंद्रीय नेताओं की पश्चिम बंगाल में छोटी-छोटी सभाएं ही करेंगे. इन जनसभाओं में महज 500 लोग ही शामिल होंगे. बंगाल में ये छोटी-छोटी जनसभाएं भी खुले स्थानों पर होंगी और इस दौरान कोविड गाइडलाइंस का भई ध्यान रखा जाएगा. भारतीय जनता पार्टी ने बंगाल में 6 करोड़ मास्क और सेनेटाइजर वितरण का लक्ष्य भी रखा है.

वीकेंड लॉकडाउन के बाद कोरोना की जांच के लिए सीएम योगी का नया आदेश

लखनऊ। कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के टेस्टिंग क्षमता बढ़ाने के निर्देश पर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने बड़ी पहल की है। अब मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सा संस्थानों में तिगुने से अधिक 1,64,000 कोरोना जांच रोजाना होगी। इसके लिए जरूरी संसाधनों के साथ 558 साइंटिस्ट, लैब टेक्निशियन, डेटा आपरेटर और लैब अटेंडेंट भी रखे जा रहे हैं। इसी तर्ज पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग भी जांचों की क्षमता बढ़ा रहा है। इससे लोगों को कोरोना की जांच कराने में काफी आसानी होगी और पेंडेंसी भी खत्म होगी।

सीएम योगी कोरोना के खिलाफ लड़ाई की रोजाना टीम 11 के साथ समीक्षा कर जरूरी दिशा निर्देश दे रहे हैं। प्रदेश में 104 निजी प्रयोगशालाएं और 125 सार्वजनिक क्षेत्र की प्रयोगशालाएं कोरोना की जांच कर रही हैं और अब तक तीन करोड़ 84 लाख से अधिक टेस्ट हो चुके हैं। 18 अप्रैल को निजी प्रयोगशालाओं ने करीब 19 हजार से अधिक आरटीपीसीआर टेस्ट किए हैं। चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर मेडिकल कालेजों और संस्थानों में जांचों की क्षमता कई गुना बढ़ाई जा रही है। जरूरी संसाधनों और मैनपावर को भी बढ़ाया जा रहा है। फिलहाल, प्रदेश में मेडिकल कालेज

और संस्थानों में रोजाना करीब 51,900 सैम्पल की जांच हो रही है। इसे बढ़ाते हुए रोजाना 1,64,000 जांच किया जा रहा है। इसके लिए आदेश जारी कर दिए गए हैं।

ज्यादा जांच होने से संक्रमण को नियंत्रित करने में होगी आसानी-ज्यादा जांच होने से संक्रमण का जल्दी पता लगाया जा सकेगा और इसे नियंत्रित करने में आसानी होगी। साथ ही मरीजों की जांच के बाद आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। इसीलिए केजीएमयू, आरएमएल, एसजीपीजीआई, जिम्स नोएडा और मेरठ मेडिकल कॉलेज में रोजाना 12,000 जांच होनी है। रिम्स सैफई, एसएसपीएच ग्रेटर नोएडा, बीआरडी गोरखपुर, मेडिकल कालेज प्रयागराज, झांसी, कानपुर, आगरा में रोजाना 8000 जांच होनी है। इसके अलावा मेडिकल कालेज आजमगढ, कन्नौज, अम्बेडकरनगर, बांदा, बदायूं, सहारनपुर, जालौन और स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय अयोध्या, बस्ती, बहराइच, फिरोजाबाद और शाहजहांपुर में रोजाना 4000 सैम्पल की जांच होनी है।

24 संस्थानों में 28 करोड़ से ज्यादा की आएंगी मशीनें-चिकित्सा शिक्षा विभाग ने केजीएमयू, आरएमएल, एसजीपीजीआई, जिम्स नोएडा, रिम्स सैफई, एसएसपीएच ग्रेटर नोएडा, मेरठ मेडिकल कॉलेज, बीआरडी गोरखपुर, प्रयागराज, झांसी, कानपुर, आगरा, आजमगढ, कन्नौज, अम्बेडकरनगर, बांदा, बदायूं, सहारनपुर, जालौन और स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय अयोध्या, बस्ती, बहराइच, फिरोजाबाद और शाहजहांपुर में जांचें बढ़ाने के लिए संसाधनों में भी वृद्धि के आदेश दिए हैं। इन संस्थानों में 12 करोड़ 45 लाख की 83 आरटीपीसीआर मशीनें, 14 करोड़ की 35 सेमी ऑटोमैटिक एक्सट्रैक्टर और एक करोड़ 61 लाख की 23 बायो सेफ्टी कैबिनेट खरीदी जाएंगीं। इसके अलावा करीब सवा चार करोड़ की लागत से 29 आटो क्लेव, 29 डीप फ्रिजर 80 डिग्री, 29 डीप फ्रीजर 20 डिग्री और 29 फ्रीज भी खरीदी जाएगी। जांच बढ़ाने से संसाधनों के साथ मैनपावर भी बढ़ाया जा रहा है। इसके लिए 558 साइंटिस्ट, लैब टेक्निशियन, डेटा आपरेटर और लैब अटेंडेंट भी रखे जाएंगे। इन पर हर महीने 52 लाख से अधिक मानदेय के रूप में खर्च आएगा।

लाशों पर राजनीति करने वाली दीदी पर शिकंजा कसा, ईसी हुआ सख्त

नई दिल्ली। सीतलकुची में चौथे चरण के मतदान के दौरान केंद्रीय बलों की फायरिंग में मारे गए चार लोगों की लाशों पर राजनीति के मंसूबे सूबे की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भारी पड़ सकते हैं. लाशों पर राजनीति करने के उकसावेपूर्ण कथित ऑडियो टेप के सामने आने के बाद मंगलवार को केंद्रीय चुनाव आयोग ने बंगाल के निर्वाचन आयोग से इस बारे में रिपोर्ट मांगी है. इस कथित ऑडियो टेप में ममता बनर्जी सीतलकुची के टीएमसी प्रदेश अध्यक्ष और प्रत्याशी पार्था प्रतिम रॉय से लाशों को नहीं उठने देने और जिले के एसपी को फंसाने की बात कहती सुनाई पड़ रही हैं. इसी ऑडियो टेप को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने विगत दिनों केंद्रीय चुनाव आयोग को एक ज्ञापन सौंपा था. गौरतलब है कि कूचबिहार जिले के सीतलकुची में केंद्रीय बलों के जवानों द्वारा गत 10 अप्रैल को चौथे चरण के मतदान के दौरान फायरिंग में चार लोगों की मौत से संबंधित वीडियो बीजेपी के नेता व केंद्रीय सह प्रभारी अरविंद मालवीय ने जारी किया थी. इसके बाद राजनीति तेज हो गई थी. टीएमसी ने जहां इससे इंकार करने के बजाय मोदी सरकार पर मोबाइल टैप करने का आरोप लगाया था, वहीं बीजेपी ने ममता बनर्जी पर लाशों की राजमीति का आरोप लगा तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया था. ज्ञात हो कि इसके बाद वीडियो भी जारी कर अरविंद मेनन ने दावा किया कि आठ अप्रैल को ममता बनर्जी द्वारा दिए गए भाषण घटना के लिए जिम्मेदार है. इस वीडियो में दिखा रहा है कि लाठी-डंडे लेकर जवानों पर हमला करने की कोशिश कर रहे हैं.

ऐसे कैसे हारेगा कोरोना? वैक्सीन की बर्बादी के सामने आए चौंकाने वाले आंकड़े

नई दिल्ली। कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों से देशभर में हाहाकार मचा हुआ है. वैक्सीन की कमी से हालात और चिंताजनक हो गए हैं. कई राज्यों से वैक्सीन की कमी कि शिकायतें आ रही हैं. वहीं बड़ी संख्या में इन टीकों की बर्बादी की खबर हिला देने वाली है. एक आरटीआई के जरिए जानकारी मिली है कि 11 अप्रैल तक देश में 23 फीसदी कोविड वैक्सीन बर्बाद हो चुकी है. खास बात है कि वैक्सीन बर्बादी के मामले में तमिलनाडु, हरियाणा, पंजाब, मणिपुर और तेलंगाना सबसे आगे हैं. राज्यों के उपयोग में आए 10.34 करोड़ वैक्सीन डोज में से 44.78 लाख डोज बर्बाद हो गए हैं. आरटीआई की रिपोर्ट से पता चला है कि केरल, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, मिजोरम, गोवा, दमन और दीव, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में वैक्सीन की किसी प्रकार की कोई बर्बादी नहीं की गई. यह जानकारी ऐसे समय में सामने आई है जब सरकार ने 1 मई से 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को अब टीका लगने की घोषणा की है. आरटीआई से मिली जानकारी बताती है कि देश में 11 अप्रैल तक 23 फीसदी वैक्सीन डोज बर्बाद हो चुके हैं.

महाराष्ट्र में मिनी लॉकडाउन हुआ सख्त

4 घंटे ही खुलेंगी किराना और फल-सब्जियों की दुकानें

मुंबई। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए महाराष्ट्र में 1 मई तक लागू कर्फ्यू में महाराष्ट्र सरकार ने और पाबंदियां बढ़ा दी है। राज्य में किराना दुकानें और सभी तरह की खाने-पीने की दुकानें केवल चार घंटे तक खुलेंगी। इन्हें सुबह 7 से 11 बजे तक ही खोलने की अनुमति होगी। पहले नाइट कर्फ्यू, फिर वीकेंड लॉकडाउन और अब मिनी लॉकडाउन में भी कोरोना की रफ्तार कम नहीं हो रही है और इस वजह से राज्य सरकार ने पाबंदियां बढ़ा दी हैं। महाराष्ट्र सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि सभी किराना, सब्जी, फल, डेयरी, बेकरी सभी तरह की खाने पीने की चीजों की दुकाने (चिकन, मटन, मछली, अंडे की दुकानें सहित), कृषि उपकरणों से संबंधित दुकानें, जानवरों के चारे की दुकानें सुबह 7 से 11 बजे तक ही खुल सकेंगी। हालांकि, इन दुकानों से होम डिलीवरी सुबह 7 बजे से शाम 8 बजे तक जारी रहेगी। हालांकि, स्थानीय प्रशासन की ओर से समय में बदलाव किया जा सकता है।

13 अप्रैल को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य के

लोगों को संबोधित करते हुए पाबंदियों की घोषणा की थी। पाबंदियों को लॉकडाउन का नाम ना देकर ब्रेक द चेन मुहिम बताया गया। इस दौरान सभी गैर जरूरी सेवाओं और गतिविधियों पर रोक रहेगी। पूरे महाराष्ट्र में धारा 144 लागू है। पांच या इससे अधिक लोगों के एकत्रित होने पर रोक है।

झारखंड में 22 से 29 अप्रैल तक लॉकडाउन

रांची। झारखंड में 22 से 29 अप्रैल तक एक सप्ताह का संपूर्ण लॉकडाउन का ऐलान कर दिया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने

मंगलवार को इसका ऐलान करते हुए कहा कि लॉकडाउन गुरुवार सुबह छह बजे से प्रभावी होगा। इस दौरान सरकार ने कुछ छूटों का भी ऐलान किया है। बताया गया है कि राज्य में 22 अप्रैल से 29 अप्रैल तक एक हफ्ते तक लॉकडाउन प्रभावी रहेगा। 22 अप्रैल सुबह छह बजे से से 29 अप्रैल की सुबह छह बजे तक लॉकडाउन रहेगा। झारखंड में कई रियायतों के साथ लॉकडाउन लगाया गया है। आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सबकुछ बंद रहेगा। धार्मिक स्थल खुले रहेंगे लेकिन भीड़ नहीं होगी। खनन से जुड़े कार्य होते रहेंगे। राज्य में बढ़ते कोरोना संक्रमण को तोड़ना नितांत आवश्यक है। इसलिए राज्य में स्वास्थ्य सुरक्षा सप्ताह हेतु निर्णय लिया गया है।

यह किया ऐलान

-ग्रामीण विकास की सभी योजनाएं चलती रहेंगी
-सभी प्रकार के निर्माण कार्य चलते रहेंगे
-किराना दुकान खुली रहेंगी और आवश्यक सेवाएं भी बहाल रहेंगी
-होटल में बैठकर खाने की अनुमति नहीं लेकिन होटल से घरों तक होम डिलीवरी होगी
-पूरे राज्य में 144 लागू। एक साथ पांच से अधिक आदमी दिखे तो कार्रवाई
-पशु चारा के आवागमन पर भी रोक नहीं
-पुलिस रोकेगी तो सड़क पर निकलने का कारण बताना होगा
-सब्जी खरीदना हो या सामान पहुंचाना हो, कारण बताना होगा और परिचय पत्र दिखाना होगा
-दवा खरीदने निकले हैं तो डॉक्टर का पर्चा दिखाइए
-सब्जी बाजार और गल्ले की दुकानों पर अधिक भीड़ नहीं लगने पाए
-फल फूल सब्जियां बिकती रहेंगी
-उद्योग और इससे संबंधित सहयोगी इकाइयों पर फिलहाल रोक नहीं।
-औद्योगिक क्षेत्रों में कामकाज सामान्य रूप से चलेगा
-शारीरिक दूरी और सैनिटाइजेशन का प्रबंध उद्योग घराने करेंगे
-गिफ्ट और कपड़ा की दुकानें, सिनेमा हॉल आदि बंद रहेंगे।

मोदी सरकार ने यूरिया और बेंगलुरू मेट्रो को लेकर किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने तालचेर उर्वरक लिमिटेड के द्वारा कोयला गैसीकरण के जरिए उत्पादित हुए यूरिया के लिए एक विशेष सब्सिडी पॉलिसी को मंजूरी दी है. केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इसकी जानकारी साझा की है. उन्होंने कहा कि इस मंजूरी के मिलने के बाद इस नई तकनीक से भारत को सही मायने में आत्मनिर्फर बनने में मदद मिलेगी. उन्होंने कहा कि सरकार ने बेंगलुरु मेट्रो रेल परियोजना के चरण 2 ए के तहत से के आर पुरम और चरण 2 बी के तहत के आर पुरम से हवाई अड्डे वाया हेब्बल जंक्शन तक की कुल लंबाई 58 किमी के लिए मंजूरी दे दी है.

देशव्यापी लॉकडाउन के पक्ष में नहीं हैं वित्त मंत्री-देशभर में कोरोना वायरस के संक्रमण का कहर जारी है. संक्रमण को रोकने के लिए लॉकडाउन और नाइट कर्फ्यू जैसे कदम उठाए जा रहे हैं. मौजूदा हालात में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या और मौत के आंकड़ें काफी डरावने हैं. वहीं दूसरी ओर संक्रमण लगातार बढ़ने की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन का डर भी सता रहा है.

रेलवे स्टेशन-बस अड्डों पर रातभर प्रवासी मजदूरों की उमड़ी भीड़

नई दिल्ली। दिल्ली में एक हफ्ते के लॉकडाउन के ऐलान के बाद दिल्ली सहित पूरे एनसीआर में इसका असर देखने को मिला. दिल्ली और नोएडा में रातभर रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर प्रवासी मजदूरों की भीड़ लगी रही. हर किसी को किसी भी तरह अपने घर जाने की जल्दी थी. दिल्ली सरकार और एलसी के बीच हुई बैठक के बाद सोमवार रात 10 बजे से अगले सोमवार 26 अप्रैल सुबह 5 बजे तक दिल्ली में फिर लॉकडाउन लगाया गया है. प्रवासी मजदूरों का कहना है कि जिस तरह दिल्ली में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं ऐसे में उन्हें भरोसा नहीं है कि लॉकडाउन सप्ताह भर बाद खत्म हो जाएगा. पिछले साल जैसी स्थिति ना हो इसलिए वह घर जा रहे हैं. देर रात निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन, आनंद विहार, कौशांबी बस अड्डे से यूपी और बिहार के दूर-दराज शहरों के प्रवासी लोग पलायन करने लगे हैं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की

राहुल गांधी के जल्द स्वस्थ होने की कामना

कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने 50 वर्षीय राहुल गांधी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट किया, मुझे राहुल गांधी जी की सेहत को लेकर चिंता है। मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

नई दिल्ली। केरल के वायनाड से सांसद और कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्होंने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहुल गांधी के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। पीएम मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा, मैं लोकसभा सांसद राहुल गांधी के जल्द स्वस्थ होने और उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

आपको बता दें कि राहुल गांधी ने अपने कोरोना पॉजिटिव होने की जानकारी देते हुए लिखा था, हल्के-फुल्के लक्षण दिखने के बाद जांच कराया, जिसमें मेरे कोरोना से संक्रमित होने का पता चला। हाल के दिनों में मेरे संपर्क में आए लोग सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का अनुसरण करें और सुरक्षित रहें। कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने 50 वर्षीय राहुल गांधी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट किया, मुझे राहुल गांधी जी की सेहत को लेकर चिंता है। मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने

की प्रार्थना करता हूं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राहुल गांधी के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए कहा, हम सब आपके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं राहुल जी। इस संकट के समय में देश को आपके मार्गदर्शन की आवश्यकता है। आप जल्द स्वस्थ होकर वापस लौटें। देश अपने जननेता का इंतजार कर रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कहा, राहुल गांधी के कोरोना से संक्रमित होने के बारे में पता चला। बहुत चिंतित हूं। मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भाजपा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ट्वीट किया, कामना करता हूं कि राहुल गांधी जी कोविड से शीघ्र और पूरी तरह स्वस्थ हों। इससे पहले, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद सोमवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराए गए थे। हाल के दिनों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा, रणदीप सिंह सुरजेवाला, भूपेंद्र सिंह हुड्डा और दिग्विजय सिंह भी कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं।

एक नजर...

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कोरोना काल मे जरूरतमंदों को करवा रहे ब्लड उपलब्ध

विनोद पाठक पुष्पांजली टुडे

श्योपुर। कोरोना काल मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा रक्त कि उपलब्धता के लिये स्वैच्छिक रक्तदान करने कि पहल को आगे बढाया ताकि कोरोना काल मे रक्त के अभाव मे किसी कि मुत्यु ना हो कोरोना का खतरा बढ जाने के कारण इस समय ब्लड कैम्पों आयोजन संभव नही जिसके कारण ब्लड बैंक श्योपुर मे मरीजों के लिये ब्लड कि पूर्ति करना संभव नही हो पा रहा इसलिए राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ इसके लिये आगे आया है। और स्वैच्छिक रक्तदान के लिये लोगों को प्रेरित कर रहा है इसके तहत आज सुरेश आदिवासी कराहल ने मंजू के लिये रक्तदान किया और गोहेडा निवासी महावीर ने अन्नु के लिये प्रेरित होकर स्वैच्छिक रक्तदान किया। आगे भी जिन्हें भी रक्तदान कि आवश्यकता होगी उसकी पूर्ति के लिये राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के कार्यकर्ता तत्काल उपलब्ध रहेंगे और उनकी व्यवस्था करवाई जायेगी इस दौरान ब्लड बैंक प्रभारी डॉ.मुकेश मीणा, राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के स्वंय सेवक कौशल शर्मा, संजय मंगल, महावीर जाट आदि मौजूद थे ।

मुरैना जिले में कोविड के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है

गौरव शर्मा

मुरैना। इसको ध्यान में रखते हुये कलेक्टर श्री बी. कार्तिकेयन ने प्रायवेट चिकित्सकों से सहयोग की अपेक्षा की थी। इस पर प्रायवेट चिकित्सकों के साथ कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने अग्रवाल सेवा सदन, पंचायती धर्मशाला और सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रायवेट चिकित्सकों ने सरस्वती शिशु विद्या मंदिर को अस्थाई हॉस्पीटल के लिये सहमति जताई। इसमें 20 बेड ऑक्सीजन के और 20 बेड नॉर्मल रहेंगे। इसके लिये प्रायवेट चिकित्सक आपस में बैठकर कर अगले दिन तक निर्णय करके बतायेंगे कि प्रति मरीज के कुल कितनी राशि नॉर्मल रखी जाये। राशि तय होने पर यहां सरस्वती स्कूल में अस्थाई हॉस्पीटल नॉर्मल दर पर कोविड के लिये प्रारंभ होगा। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री सुनील कुमार पाण्डेय, जिला पंचायत के सीईओ श्री रोशन कुमार सिंह, प्रायवेट चिकित्सक डॉ. केके गुप्ता, दिलीप प्रेमी, संजीव बांदिल आदि चिकित्सक मौजूद थे।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया कोविड केयर सेंटर्स का निरीक्षण

पंकज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड।कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह ने जिले में बनाए गए कोविड केयर सेंटर्स शा.उत्कृष्ट उमावि क्र.1 कन्या छात्रावास लश्कर रोड, पिछड़ा वर्ग पोस्ट मेट्रिक बालक छात्रावास 17वीं बटालियन, निराश्रित भवन के बगल से बालक छात्रावास एवं पातीराम शिवहरे नर्सिंग कॉलेज ग्वालियर रोड का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने शा.उत्कृष्ट उमावि क्र. 1 कन्या छात्रावास लश्कर रोड, पिछड़ा वर्ग पोस्ट मेट्रिक बालक छात्रावास 17वीं बटालियन, निराश्रित भवन के बगल से बालक छात्रावास एवं पातीराम शिवहरे नर्सिंग कॉलेज ग्वालियर रोड पर बनाए गए कोविड केयर सेंटर्स का निरीक्षण कर कोविड सेंटर पर साफ-सफाई, लाईट, पानी, दरबाजे, खिडकियों को समय रहते दुरूस्त करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। इस अवसर पर एडीशनल कलेक्टर केबी विवेक, सीएमएचओ डॉ अजीत मिश्रा, सीएमओ नपा सुरेन्द्र शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम एवं बचाव के सम्बन्ध में दिशा निर्देश

पंकज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। राज्य शासन द्वारा दिनांक 12 अप्रैल 2021 को जारी आदेश का अवलोकन करें। राज्य शासन द्वारा प्रदेश में कोविड की संख्या में विगत दिनों हो रही बढ़ोत्तरी को दृष्टिगत रखते हुए निम्न अतिरिक्त दिशा-निर्देश जारी किये गए हैं।

1. केन्द्र सरकार के ऐसे कार्यालय, जो अत्यावश्यक सेवाएं प्रदान नहीं करते हैं, को यह सलाह दी जाए कि वह 10 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ कार्यालय चलायें।
2. अत्यावश्यक सेवाएं देने का कार्य करने वाले कार्यालयों को छोड़कर शेष कार्यालय 10 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ संचालित किये जाएं। अत्यावश्यक सेवाओं में जिला कलेक्ट्रेट, पुलिस, आपदा प्रबन्धन, फायर, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, जेल, राजस्व, पेयजल आपूर्ति, नगरीय प्रशासन, ग्रामीण विकास, विद्युत प्रदाय, सार्वजनिक परिवहन, कोषालय आदि सम्मिलित हैं।
3. आईटी कम्पनियों, बीपीओ/मोबाईल कम्पनियों का सपोर्ट स्टॉफ एवं यूनिट्स को छोड़कर शेष निजी कार्यालय भी 10 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ ही अपना कार्य सम्पादित करेंगे ।
4. उपरोक्त बिन्दु क्रमांक 2 एवं 3 में 10 प्रतिशत के बंधन के कारण जो कर्मचारी कार्यालय नहीं आते हैं वे वर्क फ्रोम होम करेंगे।
5. ऑटो, ई-रिक्शा में दो सवारी, टैक्सी तथा निजी चार पहिया वाहनों में ड्रायवर तथा दो पैसेंजरों को (मास्क के साथ) यात्रा करने की अनुमति होगी।
6. सामाजिक/राजनैतिक/खेलकूद/ मनोरंजन/ शैक्षणिक/सांस्कृतिक/ सार्वजनिक तथा धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजनों के लिए लोगों का एकत्रित होना पूर्णतः वर्जित रहेगा।
7. बड़ी सब्जी मण्डियों को छोटे-छोटे स्वरूप में शहरों के विभिन्न भागों में बांटे जाने की कार्यवाही की जा सकती है।
8. यह सुनिश्चित किया जाये कि किराना के थोक व्यापरियों द्वारा फुटकर किराना दुकानों में सामग्री का प्रदाय सतत् एवं निर्बाध रूप से बना रहे।

विकलांग बल मप्र की प्रदेश स्तरीय गूगल मीटिंग संपन्न

विनोद पाठक पुष्पांजली टुडे

विकलांग बल मध्यप्रदेश संगठन की प्रदेश स्तरीय गूगल मीटिंग आयोजित की गई । इस गूगल मीटिंग का संचालन करते हुए विकलांग बल मध्यप्रदेश के प्रदेश सलाहकार जसवंत राठौर जी ने कहा कि आज की गूगल मीटिंग में मध्य प्रदेश प्रेस क्लब अध्यक्ष एवं विकलांग बल मध्यप्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद पाठक जी ने अपना जबरदस्त व्याख्यान दिया।जनरलिज्म अर्थात पत्रकारिता में विकलांग जन किस तरह अपना सुनहरा भविष्य बना सकते हैं इस विषय पर पाठक जी ने करीबन 2 घंटे अपना व्याख्यान दिया। उसके बाद विकलांग बल मध्यप्रदेश के सभी सदस्यों ने अपने अपने जिज्ञासा के अनुरूप अनेकों प्रश्न किए । पाठक जी ने अपने अनुभव से उनके लाजवाब उत्तर दिए । पाठक जी ने अपनी जनरलिज्म में सफलता की कहानी भी सुनाई । किस तरह उन्होंने चुनौतियों का सामना किया ? और आज वह विकलांग होते हुए भी मध्यप्रदेश प्रेस क्लब के अध्यक्ष हैं। यह सभी के लिए प्रेरणा की बात है। अब पाठक जी अपने क्षेत्र में अन्य विकलांग साथियों को भी आगे लाना चाहते हैं। इस हेतु उन्होंने मध्यप्रदेश के विकलांग साथियों को इस मीटिंग के माध्यम से संबोधित किया। पाठक जी ने कहा कि कोई भी कार्य कठिन नहीं होता वह विकलांग ही क्यों ना हो पत्रकारिता में भी विकलांग अपने काम और हुनर के झंडे गाड़ कर सामान्य स्वस्थ पत्रकारों को भी पीछे छोड़ सकते हैं। बस आवश्यकता है । हमारे विकलांग साथियों में जज्बे की। जज्बा होगा,हर मंजिल आसान होगी । पाठक जी जिन्हें मध्यप्रदेश के हर जिले के विकलांग साथियों को यह भरोसा दिलाया हैं कि यदि वे जनरलिज्म के क्षेत्र में कार्य करते हैं तो पाठक जी आपका हर सहयोग करेंगे । पुष्पा न्यूज़ और प्रॉपर न्यूज़ की एजेंसी लेने के लिए पाठक जी ने विकलांग व्यक्तियों के लिए आधी राशि करवा दी है। इसके अलावा उन्होंने बताया है कि विकलांग व्यक्ति भी जर्नलिज्म से बहुत अच्छा पैसा,नाम,प्रतिष्ठा,रुतबा,अधिकारियों व मंत्रियों तक पहचान प्राप्त कर सकते हैं।इस क्षेत्र में साहित्य,सर्जन और सम्मान प्राप्त कर सकते हैं । इसके अतिरिक्त विकलांग व्यक्तियों की आवाज को बुलंद कर सकते हैं । ऐसे अनेकों लाभ पत्रकारिता से आप लोग उठा सकते हैं,तो आप सभी आगे आएंगे ऐसा विश्वास करते हैं।आज की इस गूगल मीटिंग में विकलांग बल मध्यप्रदेश संगठन के विभिन्न जिलों से सदस्य एवं पदाधिकारी सम्मिलित हुए उन्होंने पत्रकारिता के अतिरिक्त संगठन को किस प्रकार मजबूत किया जाएं । आगे की रणनीति क्या होगी ? आदि विषयों पर खूल कर जोश और उत्साह के साथ चर्चा की। सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपनी-अपनी ओर से अपने जिले के विकलांग साथियों की समस्याओं,सुझाव व परामर्श को भी सभा के पटल पर रखा। सलाह व परामर्श का लाभ मीटिंग में सम्मिलित सभी सदस्य एवं पदाधिकारियों को मिला । इस मीटिंग में जो भी सलाह परामर्श प्राप्त हुए । उनसे सभी विकलांग बल पदाधिकारी एवं सदस्य अपने जिले के विकलांग साथियों को लाभ अवश्य दिलाएंगे। ÷÷विकलांग बल मध्यप्रदेश÷÷ एकमात्र ऐसा संगठन है जो हर रविवार को विकलांग व्यक्तियों के उत्थान के लिए गूगल मीटिंग एप्लीकेशन पर मंथन कार्यक्रम लाता है । जिस प्रकार देवताओं ने प्राचीन काल में मंथन करके अमृत प्राप्त किया था और दही को मथ के मक्खन प्राप्त किया जाता है उसी प्रकार से विकलांग बल मध्यप्रदेश के हर रविवार के मंथन कार्यक्रम में सभी के सलाह व परामर्श से एक से एक मक्खन रुपी योजनाएं बनती है । एक से एक अमृत रूपी सुझाव,परामर्श एवं विचार प्राप्त होते हैं । इन योजनाओं को विकलांग बल के पदाधिकारी एवं सदस्य अपने अपने जिले एवं क्षेत्र के विकलांग साथियों के लिए कार्य करके विचार गोष्ठी रूपी मंथन का अमृत एवं मक्खन अपने जिले के विकलांग साथियों को प्रदान करने का कार्य करते हैं।विकलांग बल मध्यप्रदेश संगठन का यह साप्ताहिक मंथन कार्यक्रम रविवार शाम 4ः00 बजे प्रारंभ हुआ और देर शाम 7ः30 बजे समाप्त हुआ । विकलांग बल मध्यप्रदेश के प्रदेश प्रभारी हेमंत सिंह कुशवाहा जी ने उक्त गूगल मीटिंग में सम्मिलित होकर समस्त जिलाध्यक्षो को बताया कि आप अपने अपने जिला में जनसम्पर्क कार्यालय में जाकर अपना परिचय देते हुए समस्त पत्रकारों की सूची प्राप्त कर सकते हैं इसके साथ ही साथ आप सभी गणमान्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों को गूगल मीटिंग में शामिल होने के लिए हृदय से आभार प्रकट किया। उन्होंने मध्यप्रदेश के सभी विकलांग साथियों व संगठन के सदस्य एवं पदाधिकारियों से निवेदन किया कि आप सब हर रविवार इस मीटिंग को अवश्य जॉइन करें । क्योंकि अब से हम मीटिंग में जो भी अच्छी बातें साझा होती है। वह प्रेसनोट में उजागर नहीं करेंगे । जिन्हें विकलांग साथियों के लिए सर्वश्रेष्ठ अच्छे से अच्छा कार्य करना है । अच्छे सुझाव चाहिए वह स्वयं इस मीटिंग में अवश्य ज्वॉइन करें और अपने जिले के विकलांग साथियों को अच्छे सुझाव,योजना एवं जानकारियों का लाभ अवश्य दिलाएं।इस गूगल मीटिंग में विकलांग बल मध्यप्रदेश के विभिन्न जिले के जिलाध्यक्ष व विकलांग बल के सदस्य एवं समस्त पदाधिकारी सम्मिलित हुए। यदि यह जानकारी आप सबको अच्छी लगी हो तो इसे सभी विकलांग संगठन,विकलांग व्यक्तियों तक जोर शोर से बार-बार शेयर कीजिए। ताकि हम भी जागे और औरों को भी जगाए । आशा करते हैं जो लोग इस गूगल मीटिंग में नहीं ज्वाइन हुए थे । वे अगले रविवार मीटिंग में अवश्य जॉइन होंगे । अगले रविवार की गूगल मीटिंग के लिए इंतजार कीजिए । संगठन से जुड़ने के लिए संपर्क कीजिए।

जनपद में एक बार फिर गुटके बीड़ी के दामों में होने लगी है बढ़ोतरी

पुष्पांजलि टुडे

व्यापारियों ने गुटखा किया स्टॉक दामों में हुआ इजाफा एटा विश्व में कोरोने जैसी महामारी के चलते जहां लोगों में त्राहि-त्राहि मची हुई है। वही व्यापारियों को एक बार फिर कमाई करने का अच्छा मौका मिल गया है। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी जब संक्रमण तेजी से जनपद में पैर पसार रहा है। लगातार जनपद में डेढ़ सौ दो सौ लोग संक्रमित पाए जा रहे हैं। लॉकडाउन की आशंका के चलते व्यापारी अब कालाबाजारी करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। आपको बता दें कि जब जनपद में कोरोना वायरस ने बीते वर्ष अपने पैर पसारने शुरू किए थे। जिसके चलते जिले में गुटके बीड़ी सिगरेट के दाम आसमान छूने लगे थे। 10 का गुटखा 40 का व 5 का गुटका 20 का मार्केट में धड़ल्ले से बिका था। जनपद में एक बार फिर जब संक्रमण फैल रहा है तो व्यापारी चांदी काटने के लिए तैयार हो गए हैं। 10 का गुटका 12 में व पांच का गुटका 6 में आपको जनपद की हर दुकान पर मिलना शुरू हो गया है। जनपद प्रशासन को एक बार ऐसे व्यापारियों को चिन्हित कर कोई ठोस कदम उठाना होगा। रही बात गुटके की लेकिन अगर बात खाद्य सामग्री की की जाए तो लॉक डाउन की सुगबुगाहट सुनते ही व्यापारियों ने खाद्य सामग्रियों का भंडारण करना शुरू कर दिया है। जिसके बाद अब जनपद में कुछ दुकानों पर खाद्य सामग्रियों को भी ऊन के दून दामो पर बेचा जा रहा है। ऐसे में गरीब तबके का आदमी संक्रमण काल में अपने जीवन यापन को लेकर बहुत ही चिंतित नजर आ रहा है।

कलेक्टर का आदेश उडाया हवा में, नहीं रुक रहा अप डाउन सीएमओ सहित अधिकांश नपा ग्वालियर से कर रहे हैं ड्यूटी

मोहन मांझी पुष्पांजली टुडे

गोहद। कोरोना महामारी के चलते भिण्ड कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस के द्वारा 26 अप्रैल तक जिले में लॉकडाउन घोषित किया गया है। जिसके अंतर्गत सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारियों को भिंड जिला छोड़कर नहीं जाने का आदेश भी जारी हुआ है परंतु गोहद नगर पालिका के मुख्य नगरपालिका अधिकारी रामप्रकाश जगनेरिया सहित नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकांश अधिकारी कर्मचारी ग्वालियर में रहकर ड्यूटी करते हैं। नगर पालिका गोहद के सभी इंजीनियर एवं अधिकांश कर्मचारी ग्वालियर से अप डाउन कर ड्यूटी कर रहे हैं यह सिलसिला आज से नहीं है वल्कि यह सिलसिला वर्षों से चला आ रहा है कलेक्टर हर बार मुख्यालय पर रोकने का आदेश निकालते हैं परंतु आदेश का पालन आज तक नहीं हुआ। मुख्यालय पर रुकने मैं नगरपालिका ही नहीं राजस्व विभाग के बाबू, जल संसाधन विभाग, पीडब्ल्यूडी विभाग कृषि विभाग, पीएचई विभाग, महिला बाल विकास, शिक्षा विभाग, विद्युत मंडल, बैंकों के अधिकारी कर्मचारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी, जनपद पंचायत के अधिकांश कर्मचारी, राजस्व विभाग के सभी आरआई व पटवारी व बाबू रोजाना शाम ढलते ही ग्वालियर की ओर कूच कर जाते है और दूसरे या तीसरे दिन ड्यूटी पर आते हैं। मजे की बात तो यह है कि इसकी जानकारी गोहद तहसील के मुखिया एसडीएम शुभम शर्मा को भी है परंतु वह इन लोगों का कुछ नहीं बिगाड़ सकते। मुख्यालय पर केवल पुलिस प्रशासन, एसडीएम, तहसीलदार ही मौजूद रहते है बकाया के सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी शाम ढलते ही ग्वालियर चले जाते हैं।

इनका कहना है

कौन-कौन मुख्यालय पर नहीं रुक रहा है मैं चेक करा लेता हूं।

शुभम शर्मा एसडीएम गोहद

कालाबाजारी रोकने हेतु जिला आपूर्ति अधिकारी अधिकृत

पंकज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ सतीश कुमार एस द्वारा भिण्ड जिले की समस्त नगरीय सीमा क्षेत्र अंतर्गत 19 अप्रैल 2021 की सायं 06 बजे से 26 अप्रैल 2021 सोमवार को प्रातः 06 बजे तक कोरोना कर्फ्यू घोषित किया जाकर आवश्यक सेवाऐं यथा फल/सब्जी/दूध/किराना की दुकानें प्रातः 07 बजे से प्रातः 11 बजे तक केवल 04 घंटे के लिये खोलने हेतु प्रतिबंधित से मुक्त की गयी हैं। जिला दण्डाधिकारी डॉ सतीश कुमार एस ने बताया कि मेरे संज्ञान में यह तथ्य आया कि कोरोना कर्फ्यू के दौरान कतिपय व्यवसायी/दुकानदारों/व्यक्तियों के द्वारा राशन, सब्जी, फल इत्यादि आवश्यक सामग्री का संग्रहण कर कालाबाजारी किये जाने एवं नियत दर से अधिक दर पर आवश्यक वस्तुओं की बिक्री किये जाने की प्रबल संभावना है जिससे आमजन को आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ सकता है। उपरोक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुये जिला आपूर्ति अधिकारी भिण्ड श्री एस.बी.एस. कुशवाह मो.नं. 9425488105 को उक्ताशय की प्राप्त होने वाली शिकायतों एवं कालाबाजारी पर कार्यवाही किये जाने हेतु अधिकृत किया है। श्री कुशवाह ऐसी प्राप्त होने वाली समस्त शिकायतों को तुरंत कलेक्टर के संज्ञान में लाकर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व से समन्वय कर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत त्वरित कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करेंगे। उक्त आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

व्यापारियों के सामने प्रशासन ने घुटने टेके

ब्रजपाल रिपोर्टर पुष्पांजली टुडे

मैंहगांव। मैंहगांव में व्यापारियों ने अपने व्यापार के लाभ को देखते हुए प्रशासन के लॉकडाउन के आवाहन को न मानते हुए अपने व्यापार प्रतिष्ठान खोलें और व्यापार के निजी सस्वार्थ का लाभ उठाया पुलिस प्रशासन ने इसे देख अपनी आंखों पर पट्टी बांधी और चुपचाप कोने में बैठ लकडॉन का पालन कराने में असमर्थ रहा ।प्रदेश के मुखिया श्री चौहान के आव्हान पर कोरोना के संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए संपूर्ण लॉक डाउन की बात कही थी उसे ना मानते हुए व्यापारियों ने अपने स्वार्थ के लिए अपने व्यापारिक प्रतिष्ठान खोल रखे हैं पुलिस कोने में बैठ कर इन सारी चीजों के मूकदर्शक बनीरही। पुलिस प्रशासन अपनी लापरवाही को दिखाते हुए बाजार में नहीं दिखा।

मुख्तार एम्बुलेंस प्रकरण में पुलिस की कार्रवाई, डॉ. अलका राय मऊ से गिरफ्तार

अंकित कुमार पुष्पांजली टुडे

एम्बुलेंस प्रकरण में बाराबंकी पुलिस ने मऊ के श्याम संजीवनी हॉस्पिटल की संचालिका अलका राय और एसएन राय को गिरफ्तार कर लिया है। अलका राय के खिलाफ फर्जी वोटर आईडी लगाकर एम्बुलेंस पंजीकृत कराने का मुकदमा शहर कोतवाली में एआरटीओ ने दर्ज कराया था। पंजाब के रोपण जेल में बंद मुख्तार अंसारी मोहाली कोर्ट में जिस एम्बुलेंस से गया वह बाराबंकी में पंजीकृत है। इसकी सूचना फैलते

ही हड़कंप मच गया। संभागीय परिवहन विभाग ने पत्रावली खंगाली तो डॉ. अलका राय निवासी रफीनगर बाराबंकी के नाम पर बनी वोटर आईडी के नाम पर एम्बुलेंस पंजीकृत पाई गई थी। वोटर आईडी फर्जी मिलने पर मऊ के श्याम संजीवनी हॉस्पिटल की संचालिका डॉ. अलका राय को नामजद करते हुए मुकदमा कोतवाली नगर में दर्ज कराया गया था। एसपी यमुना प्रसाद ने इस मामले में एसआईटी गठित करते हुए निरीक्षक एमपी सिंह के नेतृत्व में एक टीम मऊ भेजी थी।

सर्दी, जुखाम, खांसी, बुखार एवं सांस लेने में तकलीफ, सिरदर्द, भूख न लगना जैसे लक्षण होने पर तत्काल अस्पताल पहुंचे

मुरैना। ऐसे व्यक्ति जो ब्लड प्रेसर, डायबिटीज किड़नी, अस्थमा, केंसर आदि बीमारियों से पीड़ित है। वे अपने आप में कोरोना से बचाव के लिये पूरी तरह सावधानियां बरतें। ऐसे लोग हमेशा मास्क लगाये रखें। भीड़-भाड़ में न जायें, आपस में दो गज की दूरी बनाकर रखें। हाथों को सैनेटाइज करते रहना अथवा हाथों को साबुन से धोते रहना है। यही सावधानियां है। सिविल सर्जन डॉ. एके गुप्ता कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. डीके गुप्ता और मीडिया ऑफीसर ने आमजनों को सलाह दी है कि किसी भी व्यक्ति को सर्दी, जुखाम, खांसी, बुखार, सांस लेने में तकलीफ, सिरदर्द, भूख न लगना, दस्त लगना आदि के लक्षण होने पर वे घर पर ही पारंपरिक उपचार लेते रहते है। ठीक होने की उम्मीद में 5 से 7 दिन गुजार देते है, जिन्हे स्वास्थ्य लाभ होने के बजाय उनकी बीमारी और बढ़कर जटिल हो जाती है। ऐसे लोंगो को अस्पताल में भर्ती करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में कोविड-19 की जांच पॉजीटिव आती है तो उपचार और जटिल हो जाता है। ऐसे मरीजों को ऑक्सीजन सपोर्ट या आईसीयू में भर्ती कर उपचार करना पड़ता है। ऐसी बीमारियों से प्रभावित व्यक्तियों को सलाह दी है कि उन्हें सर्दी, खांसी, बुखार और सांस लेने में तकलीफ, सिरदर्द, हाथ-पैरों में दर्द, शरीर में ऐठन, भूख न लगना खाने व सूघंने में स्वाद का पता न लगना आदि लक्षणों में आते ही वे तुरंत चिकित्सक से परामर्श ले।

फॉलो/पायलट व्यवस्था हेतु जिला अधिकारियों के वाहन प्रत्येक दिनवार वाहन अधिग्रहित

पंकज त्रिपाठी

भिण्ड। मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, नेता प्रतिपक्ष, उच्च न्यायालय, न्यायाधीश एवं अन्य जनप्रतिनिधि/व्हीआईपी/व्हीव्हीआईपी का आये दिन जिले में आगमन के समय, भ्रमण एवं फॉलो/पायलट व्यवस्था हेतु समय-समय पर वाहन उपलब्ध कराया जाना प्रावधानित होने से जिला अधिकारियों के निम्नानुसार के प्रत्येक दिनवार वाहन अधिग्रहित किये गए हैं। अपर कलेक्टर प्रवीण फुलपगारे द्वारा जारी आदेश में जिला आबकारी अधिकारी जिला भिण्ड मो. 9425430466 एवं जिला खनिज अधिकारी जिला भिण्ड मो. 9926711041 का वाहन अधिग्रहित दिवस प्रत्येक सोमवार को, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क परियोजना इकाई नं.1 भिण्ड मो.9340046316 एवं प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क परियोजना इकाई नं.2 भिण्ड मो.9340046316 का वाहन अधिग्रहित दिवस प्रत्येक मंगलवार को, कार्यपालन यंत्री लोक ग्रामीण यांत्रिकी सेवाएं मो. 8319963466 का एवं कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग भिण्ड मो. 9753913817 का वाहन अधिग्रहित दिवस प्रत्येक बुधवार को, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग भिण्ड मो. 9425791011 एवं उपायुक्त सहकारिता भिण्ड मो. 9425622157 का वाहन अधिग्रहित दिवस प्रत्येक गुरूवार को, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग भिण्ड मो. 9826114796 एवं जिला शिक्षा अधिकारी भिण्ड मो. 8989929630 का वाहन अधिग्रहित दिवस प्रत्येक शुक्रवार को, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भिण्ड मो.9406976433 एवं उप संचालक पशु चिकित्सालय भिण्ड मो. 9755157621 का वाहन अधिग्रहित दिवस प्रत्येक शनिवार को, जिला पंचायत कार्यालय एम.डी.एम. प्रभारी अधिकारी भिण्ड मो. 9425419611 एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद जनपद पंचायत मेहगांव मो. 7747005070 का वाहन अधिग्रहित दिवस प्रत्येक रविवार को रहेगा। अपर कलेक्टर ने कहा कि रक्षित निरीक्षक पुलिस लाईन भिण्ड द्वारा दूरभाष पर प्रोटोकॉल के लिये उक्त दिवस में वाहन मांगने पर संबंधित विभाग/कार्यालय प्रमुख अपना अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायेंगे। आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

एक नजर...

मैं कोरोना वांलेटियर अभियान से नागरिक हो रहे है जागरूकः खुशियों की दास्तां

श्योपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार कोरोना संक्रमण की दिशा में अनेक प्रयास किये जा रहे है। इन प्रयासो के अंतर्गत शासन द्वारा मैं कोरोना वांलेटियर अभियान जिलों में संचालित किया जा रहा है। इस अभियान से श्योपुर जिले के जन अभियान परिषद के 1207 स्वयंसेवक सेवकों ने पंजीयन कराकर नागरिको को कोरोना के प्रति जागरूक करने में सहायक बन रहे है। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि श्योपुर जिले में जन अभियान अभियान परिषद के वांलेटिर एवं एनसीसी कैडेट्स मैं कोरोना वांलेटियर अभियान से जुडकर नागरिकों को मास्क लगाने, सोशल डिस्टेसिंग का पालन के साथ-साथ साबुन से समय-समय पर हाथ धोने के प्रति ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रो में प्रेरित कर रहे है। इसके अलावा इन वांलेटियर्स के माध्यम से 45 वर्ष अधिक उम्र के नागरिको को कोरोना टीकाकरण अभियान में टीका लगवाने के लिए सहायक बन रहे है। जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिहं ने बताया कि जन अभियान परिषद के वांलेटियर मैं कोरोना वांलेटियर अभियान से जुडकर बस स्टेण्ड श्योपुर, कोविड हेल्थ केयर सेंटर, नगरपालिका मैरिज गार्डन के साथ-साथ जिले के ग्रामीण क्षेत्रो में भी नागरिको में कोरोना के प्रति मास्क की अनिवार्यता के प्रति जागरूक व मास्क से संक्रमण को रोक जा सकता है। ऐसी समझाइश वांलेटियर द्वारा दी जा रही है। इसके अलावा बस स्टेण्ड पर स्थापित किये गये टीकाकरण केन्द्र पर भी जन अभियान परिषद के मैं कोरोना वांलेटियर द्वारा 80 से अधिक यात्रियों को प्रेरित कर टीकाकरण कराया गया। मैं कोरोना वांलेटियर अभियान के वांलेटियर एनसीसी कैडेट्स अर्जुन चैहान,अनिल मिश्रा, मनोज राठौर, शैलेंद्र किरार,बलराम प्रजापति, जितेंद्र सुमन,जीतेश प्रजापति एवं अन्य वांलेटियर निरंतर कोरोना के प्रति नागरिको को जागरूक करनें में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

सोशल मीडियो का भ्रामक जानकारी फैलाने पर होगी कार्यवाही

श्योपुर। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा श्योपुर जिले में कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा की स्थिति के संदर्भ में सोशल मीडिया पर किये जाने वाले संदेश/चित्र/वीडियो/ऑडियो/अफवाहें/उत्तेजक भाषण/दुष्प्रेरण, जिनसे सामाजिक ताने-बाने तोड़ने, किसी वर्ग समुदाय के मध्य संघर्ष, वैमनस्यता की स्थिति निर्मित होने की संभावना व मप्र लोक स्वास्थ्य अधिनियम 1949 सहपठित मप्र लोक स्वास्थ्य (संशोधन) अधिनियम 2019, महामारी अधिनियम 1897, आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधानों वर्णित रोग, महामारी संक्रामक बीमारियों आदि के सबंध में भ्रामक एवं दुष्प्रचार के प्रसारण व उन पर प्रतिक्रिया एवं विपरीत प्रतिक्रिया करना प्रतिबंधित किये जाने के लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत जनसामान्य की सुरक्षा एवं लोकशांति बनाये रखने हेतु प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार जिला श्योपुर अतंर्गत सोशल मीडिया जैसे वाट्सऐप, फेसबुक, एसएमएस, ट्विटर आदि के माध्यम से ऐसे सभी आपत्तिजनक संदेश/चित्र/वीडियो/ऑडियो/अफवाहें/उत्तेजक भाषण/दुष्प्रेरण, जिनसे सामाजिक ताने-बाने तोड़ने, किसी वर्ग समुदाय के मध्य संघर्ष, वैमनस्यता की स्थिति निर्मित होने की आशंका हो, के प्रसारण व उन पर प्रतिक्रिया एवं विपरीत प्रतिक्रिया करना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। यह आदेश जारी दिनांक से आगामी आदेश पर्यन्त जन-सामान्य की जान-माल की सुरक्षा तथा लोक शांति बनाए रखने हेतु जारी किया गया है तथा इतना समय उपलब्ध नहीं है कि जन-सामान्य व इससे संबंधित पक्षों को उक्त आदेश की तामील व्यक्तिशः कराई जा सके। अतः यह आदेश दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत एक पक्षीय पारित किया जाता है। यदि कोई व्यक्ति उक्त आदेश का उल्लंघन करता है, तो उसके विरूद्ध भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी।

दण्ड प्रक्रिया संहित 1973 की धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

श्योपुर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव ने 18 अप्रैल 2021 के आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए आज जिला स्तरीय संकट प्रबंधन समूह की बैठक मे लिये गये निर्णय के अनुसार जिले में दण्ड प्रक्रिया संहित 1973 की धारा 144 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लोकहित में संशोधित आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार श्योपुर, विजयपुर, बडौदा नगरीय क्षेत्रों में फल एवं सब्जी के ठेले बाजार में एक जगह एकत्रित नही होगे। वे मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा आंवटित वार्ड में भ्रमण कर फल एवं सब्जी का विक्रय कर सकेगे। सदर बाजर, बोहरा बाजार, पुरानी सब्जी मंडी, टोडी बाजार, बडौदा रोड, पाली रोड, शिवपुरी रोड आदि मुख्य बाजारा में स्थित किराने की दुकाने प्रातः 09 बजे से 12 बजे तक होम डिलेवरी के माध्यम से किराना सामग्री घर-घर भेज सकेगे। किन्तु कांउटर सेल पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। थोक किराना व्यापारी इस अवधि में अन्य खेरिज दुकानों को सामग्री प्रदान कर सकेगे। अनुविभागीय दण्डाधिकारी श्योपुर विजयपुर इस कार्य की व्यवस्था सुनिश्चित करेगे। गली मोहल्ले के छोटे किराना दुकानदान प्रातः 09 बजे से 12 बजे तक कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए दुकान खोलकर किराना सामग्री का विक्रय कर सकेगे। किन्तु दुकान पर भीड एकत्रित करने की अनुमति नही होगी। इसी प्रकार ट्रांसपोर्ट एजेन्सी, इलेक्ट्रेनिक-इलेक्ट्रिकल्स थोक व्यापारी, बिल्डिंग मटेलिरय आदि के व्यापारी लोडिंग एवं अनलोडिंग कार्य रात्रि 09 बजे से 01 बजे तक कर सकेंगे। किन्तु इस कार्य को करते समय कार्य करने वालो की संख्या 05 तक समिति होगी। यदि किसी ग्राहक ने कोई इलेक्ट्रेनिक-इलेक्ट्रिकल्स या अन्य कोई सामान बुक कराया है। संबंधित दुकान तथा एजेन्सी से डिलवेरी इस दौरान प्राप्त कर सकेगे। होम डिलेवरी करने वाले दुकानदार, अन्य छेटे तथा ग्रामीण क्षेत्र के दुकानदार प्रातः 09 बजे से दोपहर 12 बजे तक कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए थोक व्यापारियो से सामग्री क्रय कर सकेगे। जिले के खान एव नाश्ता होटल/दुकानो से होम डिलवेरी/ टेक अवे पद्धति से डिलेवरी की जावेगी। होटल/रेस्टोरेंट में बैठकर खाने की अनुमति नही होगी। उपरोक्त संशोधित आदेश का उल्लघंन करने वाले व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 188 के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी। जारी आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

नगरीय क्षेत्रों के वार्डो में भ्रमण कर फल एवं सब्जी विक्रय की सुविधा-कलेक्टर

श्योपुर। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में नोबल कोरोना वायरस कोविड-19 के अंतर्गत जिला स्तरीय संकट प्रबंधन समूह की बैठक आज कलेक्टर कार्यालय श्योपुर के सभागार में आयोजित की गई। इस बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा नगरीय क्षेत्रो के वार्डो में भ्रमण कर फल-सब्जी विक्रय, व्यापरियों की सुविधा के लिए रात्रि 09 बजे से 01 बजे तक लोडिंग सहित कई अन्य निर्णय लिये गये है। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री सम्पत उपाध्याय, विजयपुर क्षेत्र के विधायक श्री सीताराम आदिवासी, अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पीएल कुर्वे, एसडीएम श्री पवार नवजीवन विजय, डिप्टी कलेक्टर श्री विजेन्द्र सिंह यादव, सीएमएचओ डॉ बीएल यादव, सिविल सर्जन डॉ आरबी गोयल, डीपीओ महिला बाल विकास श्री ओपी पाण्डेय, उपस्थित थे। इनके अलावा वीसी के माध्यम से समिति सदस्य जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती कविता मीणा, भाजपा के जिला अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जाट, पूर्व विधायक श्री दुर्गालाल विजय, श्री सत्यभानू चौहान, भाजपा के प्रदेश कार्य समिति के सदस्य श्री कैलाशनारायण गुप्ता, श्री गिर्राज सर्राफ, श्री दलवीर सिंह, एवं अन्य समिति सदस्य तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि नगरीय क्षेत्रो के वार्डों में नगपालिका के अधिकारी द्वारा सुनिश्चित किये गये ठेलो के माध्यम से फल, सब्जी मुहैया कराने की सुविधा प्रदान की जा रही है। साथ ही गली-मोहल्ले के छोटे किराना दुकानदान प्रातः 09 बजे से दोपहर 12 बजे तक कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए दुकान खोलकर किराना सामग्री का विक्रय कर सकेगे। किन्तु दुकान पर भीड एकत्रित करने की अनुमति नही होगी। इसी प्रकार उन्होने बताया कि आईसीयू में बेड फुल हो चके है। जिला चिकित्सालय का कोविड सेंटर भी फुल होने की कगार पर है। मरीजो की संख्या को दृष्टिगत रखते हुए श्योपुर मुख्यालय स्थित आवासीय परिसर ढेगदा पर कोविड केयर सेंटर बनाया गया है। जिसके लिए अधिकारी कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इसी प्रकार विजयपुर एवं कराहल में भी कोविड केयर सेंटर तैयार किये गये है।

सरकार के पास कोरोना महामारी से निपटने के लिए

1 साल बाद भी सही योजना एवं उसके क्रियान्वयन का अभावः तपेश कालबेले

रितेश कटरे ब्युरो चिफ पुष्पांजलि टुडे

बालाघाट। युवा सामाजिक कार्यकर्ता तपेश कालबेले ने बताया कि बालाघाट जिले में कोरोना महामारी के आने के 1 साल बाद भी उससे निपटने के लिए जो व्यवस्था लगभग 1 वर्ष पूर्व इंतजाम किए जाने चाहिए थे ,वह आज तक नहीं हो पाया है। इसके चलते आमजन को वर्तमान में बहुत अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बालाघाट में ऑक्सीजन रेमदेसीविर की कमी आज भी देखने को मिल रही है। जिस तरह से अवस्था देखे जा रही है ,जिला अस्पताल में चिकित्सा सुविधा सुचारू रूप से नहीं हो पा रही है। डॉक्टरों को पर्याप्त मात्रा में पीपीकिट भी नहीं मिल पा रही है, साथ ही अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी भी एक बहुत बड़ी समस्या है। इलाज कराने के लिए जिले वासियों को दूसरे जिलों पर निर्भर होना पड़ रहा है ।

इतना ही नहीं नजदीकी राज्य महाराष्ट्र के गोंदिया एवं नागपुर जिले में जाना पड़ रहा है। जिले में तहसील स्तर पर और ग्रामीण स्तर पर शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त सुविधा उपलब्ध कराया जाना चाहिए। जिससे

मरीजों को तत्कालिक राहत उपलब्ध हो। इस संकट की घड़ी में सभी को मिलकर मरीजों को बचाने हेतु कार्य करने की आवश्यकता है। वर्तमान समय राजनीति करने का नहीं है जिला चिकित्सालय में जितने जल्दी ऑक्सीजन प्लांट एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध होगी उतना ही जिले वासियों एवं सभी मरीजों के लिए अच्छा होगा। हमारे प्रधानमंत्री जो कि कठोर निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं वर्तमान में पांच राज्यों में चुनाव को देखते हुए शायद यह निर्णय लेने में देरी कर रहे हैं जिसका खामियाजा आज पूरा देश भुगत रहा है। वर्तमान में सरकार अपनी स्वास्थ्य सेवाओं में अव्यवस्था को पचा नहीं पा रही है और इसका आरोप भी विपक्ष पर लगाया जा रहा है। प्रशंसा के पात्र वो लोग हैं जो इस कठिन परिस्थिति में भी अपनी सेवा समर्पित भाव से अस्पतालों में और जहां जरूरत है, लोगों को उस जगह पर राहत कार्य में लगे हुए हैं। शासन प्रशासन से हमारी मांग है कि प्रवासी मजदूर एक बार फिर पलायन कर रहे हैं ऐसे में केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि उन्हें बेसिक सुविधाएं एवं राहत के लिए उनके खातों में रुपए डाले जाएं जो इस कठिन परिस्थिति में आमजन को राहत महसूस हो। मध्यप्रदेश शासन द्वारा 3 महीने का राशन जरूरतमंद को फ्री में देने का आश्वासन दिया गया है लेकिन आज की हकीकत यह है कि बालाघाट जिले में बहुत से ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां पर फरवरी एवं मार्च माह का पूरा राशन आज भी वितरित नहीं किया गया है। कहीं पर इंटरनेट की परेशानी तो कहीं पर और कुछ परेशानी बताया जा रहा है। वर्तमान में लांजी किरनापुर क्षेत्र में बिजली कटौती की जो आंख मिचौली चल रही है इससे किसानों को अपनी फसल में भारी नुकसान का डर अलग सता रहा है। वहीं तपेश कालबेले ने शासन प्रशासन से विनम्र अनुरोध किया है कि आमजन की परेशानियों को तत्काल दूर करने हेतु कठोर कदम उठाए जाएं जिससे आमजन राहत महसूस करें।

कोरोना वार्ड में स्त्री रोग विशेषज्ञों की ड्युटी न लगाएंः शेषराम राहंगडाले

रितेश कटरे ब्युरो चिफ पुष्पांजलि टुडे

बालाघाट। बालाघाट जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष शेषराम राहांगडाले ने कोरोना

संक्रमण के लगातार बढ़ते खतरे के बीच जिला चिकित्सालय में पदस्थ स्त्री रोग विशेषज्ञों की ड्यूटी कोरोना वार्ड में लगाये जाने को नवजात शिशुओं ओर प्रसुताओं के लिये खतरनाक करार देते उनकी ड्यूटी कोरोना में नहीं लगाने की मांग की है। शेषराम राहंगडाले ने अस्पताल प्रबंधन एवं जिला प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि स्त्री रोग विशेषज्ञ अस्पताल सहित अपने निजी क्लिनिकों में प्रसव कराती है , सिजेरियन आपरेशन करती है। जिससे नवजात शिशुओं व प्रसूताओं के संक्रमित होने का खतरा बढ़ सकता है। कोरोना एक बड़ी महामारी है , जिसमें पहली प्राथमिकता का विषय है , लेकिन प्रसव की प्राथमिकता को दूसरे स्थान पर नही रखा जा सकता । जिला चिकित्सालय बालाघाट में पदस्थ स्त्री रोग विशेषज्ञ एक दिन कोरोना वार्ड में ड्यूटी करते है व दूसरे दिन प्रसूति वार्ड में । वर्तमान समय में कुछ महिलाओं की सामान्य प्रसूति व अधिकांश महिलाओं की सिजेरियन आपरेशन से प्रसूति होती है। कोरोना कोविड वार्ड में प्रसुती विशेषज्ञ की ड्युटी लगाने से संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। यदि स्त्री रोग विशेषज्ञ संक्रमित हो गई। तो परिणाम गंभीर हो सकते है , इसलिये इस विषय को गंभीरता से लेते हुए स्त्री रोग विशेषज्ञों को इस जिम्मेदारी से बाहर रखा जाना चाहिये।

डीएम ने क्रियाशील करने हेतु समस्त बीडीओ, ईओ की बैठक ली

औरैया। जिला मुख्यालय ककोर में जिलाधिकारी औरैया सुनील कुमार वर्मा ने निगरानी समितियों को क्रियाशील करने हेतु समस्त बीडीओ, ईओ की बैठक ली । जिसमें जिलाधिकारी ने निम्न निर्देश दिए कि समस्त बीडीओ एवं ईओ अपने ब्लाक की निगरानी समितियों को सक्रिय कर लें। यदि इनमे कुछ लोग ट्रांस्फ़र हो गए हों तो नये लोग रखें। एनजीओ के लोग, समाजसेवी, युवक मंगल दल के लोग, रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी जो उसी गाँव के निवासी हों इसमें रखे जाएँ , सभी निगरानी समितियों के पास थर्मल स्कैनर ,पल्स ऑक्सी मीटर, मास्क सैनीटाइजर इत्यादि होना आवश्यक है। यदि नहीं है तो एडीओ पंचायत ग्राम निधि से खरीदवाएँ। यह निगरानी समितियाँ लक्षण वाले लोगों की टेस्टिंग, होम क्वारन्टीन की मॉनीटरिंग, हॉटस्पॉट का चिन्हीकरण, बाहर से आए लोगों पर नज़र और धनात्मक पर गए प्रत्याशी प्रचार न करें इस बात की मॉनीटरिंग करेंगी। ,सभी ग्रामों में कम से कम एक क्वारन्टीन सेंटर होना आवश्यक है जहां सोने और खाने का प्रबंध भी हो। यहाँ पर प्रवासियों हेतु वयस्था करनी है।

प्रत्याशी की मौत व एक बूथ पर तीन मतपेटियों में पानी डालने पर होगा रीपोल

एटा। सोमबार को सम्पन्न हुये ग्राम पंचायत चुनावों में प्रत्याशी की चुनाव पूर्व कोरोना संक्रमित होने से मौत हो जाने पर जिलाधिकारी विभा चहल ने पुनः मतदान कराने व बीते दिन मतदान के दौरान उपद्रवियों ने राजा का रामपुर थाना के गांव कैला में तीन मतदान केंद्रों की तीन मतपेटियों मे पानी डाल देने के कारण व होमगार्ड से मारपीट मामले में रीपोल कराने के आदेश दिए हैं। अपर जिलाधिकारी विवेक मिश्रा ने बताया कि सोमबार को सम्पन्न हुये त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में चुनाव पूर्व ब्लाक निधौली कला की ग्राम पंचायत बंन्थल कुतुकपुर में चुनाव लड रहे

दो दर्जन अज्ञात अराजक तत्वों के खिलाफ मतपत्र लूटने व पानी डालने की रिपोर्ट दर्ज

प्रत्याशी चरण सिंह पुत्र वीरेंद्र सिंह की कोरोना पोजिटिव हो जाने के कारण 17 अप्रैल को उपचार के दौरान मौत हो गयी थी। जिस कारण उक्त ग्राम पंचायत का चुनाव रद्द कर दिया गया है।

जिसपर चुनाव के लिए मंगलबार को नामांकन हो रहा है और 29 अप्रैल को चुनाव सम्पन्न होगा। वही उन्होंने बताया कि बीते दिन ग्राम पंचायत कैला में उपद्रवियों ने तीन बूथों पर मतपेटियों को लूटने का प्रयास किया किंतु सफल न हो पाने के कारण उन्होंने तीन मतपेटियों में पानी डाल दिया जिसकारण तीनो बूथो पर रीपोल कराया जा रहा है। उपद्रवी बूथ पर कई जा रही रिकार्डिंग की कैमरे में से चिप भी निकाल ले गये थे। प्रशासन ने रीपोल व पुनः मतददान के लिये सुरक्षा के भारी बन्दोबस्त किये हैं।

प्रदेश में ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिये युद्ध स्तर पर प्रयास जारी : मंत्री श्री भदौरिया

दतिया। सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री श्री अरविंद सिंह भदौरिया ने कहा कि कोरोना नियंत्रण एवं मरीजों के उपचार की व्यवस्थाएँ राज्य सरकार प्राथमिकता से कर रही है। गंभीर मरीजों को समय पर ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये सतत प्रयास जारी हैं। राज्य सरकार ने महाराष्ट्र, गुजरात, झारखण्ड, राजस्थान और छत्तीसगढ़ राज्य से सम्पर्क कर प्रदेश में ऑक्सीजन की आपूर्ति के प्रयास किये गये है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये की कोरोना मरीजों का समुचित उपचार सुनिश्चित किया जाए। मंत्री श्री भदौरिया आज म.प्र. पब्लिक हेल्थ सर्विसेज कार्पोरेशन लिमिटेड के भवन में कोविड-19 के लिये स्थापित ऑक्सीजन नियंत्रण कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा कर रहे थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव जल-संसाधन श्री एस.एन. मिश्रा, नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन श्री पी. नरहरि, संचालक तकनीकी शिक्षा एवं कौशल श्री पी. धनराजू और आयुक्त सह सचिव सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम श्री विवेक पोरवाल मौजूद थे। बैठक में मध्यप्रदेश को अन्य राज्यों यथा महाराष्ट्र, गुजरात, झारखण्ड, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ राज्यों से ऑक्सीजन प्राप्त करने और ऑक्सीजन की उपलब्धता एवं उसके परिवहन की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। मंत्री श्री अरविंद सिंह भदौरिया ने कहा कि संबंधित राज्यों में संबंधितों से चर्चा कर समस्या के शीघ्र निराकरण के प्रयास जारी है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान स्वयं इस दिशा में निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में कोरोना के उपचार और जरूरी संसाधनों की आपूर्ति के लिये स्थानीय प्रशासन जन-प्रतिनिधियों के साथ मिल कर बेहतर व्यवस्थाएँ बनाने में जुटे हैं, ताकि मरीजों को उचित इलाज मुहैया हो सके। मंत्री श्री भदौरिया ने बताया कि गैस टैंकर की व्यवस्था व उसके परिवहन के लिये केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान और केन्द्रीय रेल मंत्री श्री पीयूष गोयल से चर्चा कर उक्त व्यवहारिक कठिनाईयों का शीघ्र निराकरण करवाने के प्रयास किये जा रहे हैं।

कर्नल दीप्तांशु चौधरी का तूफानी चुनाव प्रचार

अमन राय पुष्पांजली टुडे

पश्चिम बंगाल चुनाव पर पूरे देश की नजरें टिकी हुई है. पांच चरण के चुनाव हो चुके हैं.बचे तीन चरण चुनाव के लिए उम्मीदवारों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. कर्नल दीप्तांशु चौधरी लगातार चुनाव मैदान में पसीना बहा रहे हैं. उनके इस चुनाव प्रचार में भारी संख्या में भाजपा समर्थक एवं कार्यकर्ताओं को देखा जा रहा है. कर्नल दीप्तांशु चौधरी जनसभा एवं रोड शो भी कर रहे हैं. भाजपा कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है. कर्नल दीप्तांशु चौधरी ने अभिनेत्री सावंती चटर्जी के संग किया रोडशो. इस दौरान भारी संख्या में लोगों का समर्थन भी मिला. कर्नल दीप्तांशु चौधरी का कहना है तृणमूल की हार निश्चित है वह अब हिंसा की राजनीति पर उतर आई है. 2 मई के बाद भाजपा सरकार बनना तय है. दूसरी ओर तृणमूल की ओर से उम्मीदवार प्रदीप मजूमदार एवं गठबंधन के सीपीएम उम्मीदवार अब्बास राय चौधरी भी चुनाव प्रचार कर रहे हैं. वह भी जीत का दावा कर रहे हैं. पश्चिम बर्दवान की कुल 9 सीटों के लिए चुनाव 26 अप्रैल को होना है. नतीजे 2 मई को आएंगे. अब देखना होगा जीत किसके हाथ लगती है. फिलहाल तो दुर्गापुर पूर्व विधानसभा सीट पर चुनावी सरगर्मी काफी तेज है.

शिवराज की जान, खुशहाल किसानः कमल पटेल

हमारा प्रदेश और देश कृषि प्रधान है। सौभाग्य की बात है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिहं चौहान किसान पुत्र होने के साथ ही किसान हितैषी भी हैं। वे खेती को लाभ का धँधा बनाने के लिये कृत-संकल्पित होकर किसानों को विभिन्न योजनाओं में लाभान्वित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान की दूरदर्शिता, संकल्पों को पूरी करने की प्रतिबद्धता और किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के लक्ष्य का ही परिणाम है कि प्रदेश को राष्ट्रीय-स्तर पर दिया जाने वाला कृषि कर्मण अवार्ड लगातार सातवीं बार प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के सशक्त और चमत्कारिक नेतृत्व में सरकार ने किसानों के लिये विगत एक वर्ष में कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक निर्णय लेकर सरकार के एक साल को बेमिसाल बना दिया है। सरकार ने कोरोना की विपत्ति के बाद भी रिकॉर्डेड गेहूँ का उपार्जन कर पंजाब को पीछे छोड़कर प्रथम स्थान हासिल किया। चना और सरसों के उपार्जन की मात्रा 20-20 क्विंटल नियत की गयी। एक दिन में समर्थन मूल्य पर उपार्जन की अधिकतम सीमा 25 क्विंटल को समाप्त किया गया। मण्डियों के बाहर किसानों के घर से सौदा-पत्रक के आधार पर खरीदी करना सुनिश्चित किया गया। इलेक्ट्रॉनिक तौल-काँटे से तुलाई होने पर हम्माल-तुलावटी की राशि वसूलना बंद कराना सुनिश्चित कराया गया। सरकार ने वर्ष 2018 और 2019 की बीमित फसलों के 9 हजार करोड़ रुपये की बीमा राशि किसानों को दिलवाई। फसल बीमा कव्हरेज के लिये स्केल ऑफ फायनेंस को 75 प्रतिशत के स्थान पर 100 प्रतिशत किया गया। देश में पहली बार रविवार को भी बैंक खुलवाकर किसानों का बीमा करवाया। वन ग्रामों के किसानों को बीमा योजना में शामिल करने के लिये राजस्व ग्रामों में शामिल कराया। कृषि आदान के लायसेंस की तिथियाँ बढ़ाई गईं। फसलों के उपचार के लिये कृषि ओपीडी प्रारंभ की गई। कम्बाइन हॉर्वेस्टर पर लगने वाले 10 प्रतिशत रोड टेक्स को घटाकर मात्र एक प्रतिशत किया गया।

किसानों के हित में समस्त विभागीय दिशा-निर्देश, संवाद एवं पत्राचार सरलीकृत रूप से राजभाषा हिन्दी में जारी करने के निर्देश दिये गये। पहली बार गेहूँ उपार्जन के साथ ही किसानों के हित में चना, मसूर एवं सरसों के उपार्जन का ऐतिहासिक निर्णय लिया। किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिये किसानों का सच्चा साथी-कमल सुविधा केन्द्र खुलवाकर 3500 समस्याओं का निराकरण किया। किसान हितैषी सरकार ने 22 सितम्बर, 2020 को मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना प्रारंभ कर 37 लाख 50 हजार किसानों को 750 करोड़ रुपये की राशि खाते में अंतरित की। प्रदेश सरकार ने 15 लाख 81 हजार मेहनतकश अन्नदाता किसानों से एक करोड़ 29 लाख 42 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का रिकॉर्ड उपार्जन कर किसानों के खाते में 24 हजार 833 करोड़ रूपये का भुगतान किया। हमारी सरकार ने 5 लाख 96 हजार किसानों से 37 लाख 36 हजार मीट्रिक टन धान का उपार्जन करते हुए 6 हजार 935 करोड़ रुपये का भुगतान किया। इसके साथ ही 3 लाख किसानों को चना, मसूर और सरसों खरीदी के लिये 3 हजार 959 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। सरकार ने वर्ष 2018 और वर्ष 2019 की दोनों फसलों की बीमा राशि के रूप में 44 लाख किसानों को 8 हजार 891 करोड़ की राशि का भुगतान बीमा कम्पनियों से कराया गया। सरकार ने इस वर्ष प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 44 लाख 53 हजार 606 किसानों का बीमा कराया है। एग्रीकल्चर इन्फ्रा-स्ट्रक्चर फण्ड योजना में 138 किसानों को 72 करोड़ 35 लाख रुपये का ऋण वितरित कर योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश प्रथम स्थान पर है। सरकार ने किसानों के साथ विभिन्न प्रकार से धोखाधड़ी करने वालों के विरुद्ध वर्षभर निरंतर कठोर कार्यवाही की। प्रदेश में अमानक बीज विक्रय करने वाले 10 विक्रेताओं के विरुद्ध एफआईआर, 227 बीज विक्रेताओं के पंजीयन निलंबित और 148 पंजीयन निरस्त किये गये। प्रदेश में अमानक कीटनाशक विक्रय करने वाले 10 विक्रेताओं के विरुद्ध एफआईआर, 39 विक्रेताओं के पंजीयन निलंबित, 22 विक्रेताओं के पंजीयन निरस्त एवं 5 प्रकरण न्यायालय में दर्ज किये गये। प्रदेश में 504 अमानक उर्वरक विक्रेताओं के पंजीयन निलंबित करते हुए 153 उर्वरक विक्रेताओं के पंजीयन निरस्त किये गये। शिवराज सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्म-निर्भर भारत अभियान के सपने को पूरा करने के लिये आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश बनाने की ओर अग्रसर है। किसान को आत्म-निर्भर बनाने के लिये सरकार द्वारा सभी संभव प्रयास किये जा रहे हैं। भारत सरकार द्वारा निर्मित किये गये एग्रीकल्चर इन्फ्रा-स्ट्रक्चर फण्ड योजना के अंतर्गत ऋण प्रदाय किये जा रहे हैं। नवीन फूड प्रोसेसिंग ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) गठित किये जा रहे हैं। मण्डियों को आधुनिक बनाया जा रहा है। फूड पार्क, कोल्ड-स्टोरेज, साइलो, वेयर-हाउसों का निर्माण किया जा रहा है। प्रदेश में एक जिला-एक फसल योजना लागू की जाकर किसानों को बेहतर गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। बासमती चावल, शरबती गेहूँ, होशंगाबाद जिले की तुअर दाल इत्यादि को एपीडा के माध्यम से जीआई टैग दिलाने की कार्यवाही की जा रही है। मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना के तहत आगामी वित्तीय वर्ष के लिये 3 हजार 200 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है, जिसका लाभ 80 लाख किसानों को मिलेगा। देश के ग्रामवासियों को वास्तविक आजादी का अहसास दिलाने वाली प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना का लाभ देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश के हरदा निवासी रामभरोस विश्वकर्मा को दिलाकर हम सभी गौरवान्वित हैं। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में सरकार किसानों को आत्म-निर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के दृढ़ निश्चय को हर हाल में पूरा करेगी।

सम्पादकीय

कड़ाई और उदारता

अगर हम फिर लॉकडाउन जैसे हालात में पहुंच गए हैं, तो यह जितना दुखद है, उतना ही चिंताजनक भी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण में हो रही भयावह बढ़ोतरी को देखते हुए राज्य सरकार ने राजधानी में छह दिनों के लॉकडाउन का एलान कर दिया है। चूंकि दिल्ली में कोरोना संक्रमण की दर 30 फीसदी तक पहुंच गई है, इसलिए यह फैसला अपरिहार्य हो गया था। रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में 25,462 नए संक्रमितों का मिलना वाकई चिंता बढ़ा देता है। दिल्ली जैसी भारी आबादी वाले इलाकों में लोगों की सामान्य चहल-पहल को रोकना ही होगा। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि घर से निकलने वाले सारे लोग अब भी मास्क तक नहीं पहन रहे हैं। यहां तक कि सभी पुलिस वालों को भी बचाव की परवाह नहीं है। जहां पुलिस मास्क पहनने के लिए बाध्य कर रही है, चालान काट रही है, वहां भी लोग पुलिस से बहाने बनाने और लड़ने में पीछे नहीं हैं। ऐसे में, सरकार के पास कड़ाई से कर्फ्यू लगाने के सिवा क्या रास्ता बच जाता है? दिल्ली में मुख्यमंत्री और उप-राज्यपाल ने मिलकर जो फैसला लिया है, उसकी सराहना होनी चाहिए। तमाम राज्यों में शासन-प्रशासन को समन्वय के साथ अपने फैसले लेने चाहिए। शादी जैसे जरूरी सामाजिक आयोजन को मंजूरी दी गई है, तो यह भी हमने पिछले लॉकडाउन से सीखा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री इस बार मजदूरों के पलायन की आशंका को लेकर भी सचेत हैं और उन्होंने मजदूरों को आश्वस्त करने की कोशिश की है कि यह छोटा लॉकडाउन है। सरकार अगर इस बार नहीं चाहती कि पलायन हो, तो उसे पुख्ता इंतजाम करने होंगे। केवल सरकारों के बोलने से मजदूर नहीं रुकेंगे। यह हमारे शासन-प्रशासन की कमी है कि हमने मजदूरों की सुविधाओं के बारे में अभी ढंग से सोचना भी नहीं शुरू किया है। समाज के इस निचले तबके को लॉकडाउन या कर्फ्यू जैसी स्थिति में सर्वाधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। खाद्य व आवास के साथ चिकित्सा सुरक्षा की जरूरत यहां सर्वाधिक है। आम लोगों को जांच, दवा और इलाज के स्तर पर जैसी तकलीफ हो रही है, उससे सवाल उठता है कि क्या ऐसा समय आ गया है, जब भारत को बाहर से मदद की जरूरत है। सरकारों को अपनी क्षमता का आकलन करना चाहिए। बिहार में जहां नाइट कर्फ्यू का सहारा लिया जा रहा है, वहीं उत्तर प्रदेश में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को सख्त निर्देश दिए हैं। राज्य के पांच जिलों में सभी प्रतिष्ठानों को बंद करने का आदेश स्वागतयोग्य है। केवल आवश्यक सेवाओं को छूट दी जाए और लोगों की आवाजाही को कम करके कोरोना वायरस की श्रृंखला को तोड़ा जाए। प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर और गोरखपुर को लेकर कोर्ट ने विशेष चिंता का इजहार किया है। हमारी सरकारों को कड़ाई के साथ-साथ उदारता का भी परिचय देना होगा। कर्फ्यू का मतलब यह नहीं कि किसी कोरोना मरीज को इलाज में असुविधा हो या उस तक जरूरी सामान भी नहीं पहुंच पाए। संक्रमण दर अगर बहुत ज्यादा है, तो अकेले रहने वाले लोगों, बुजुर्गों इत्यादि को बहुत परेशानी होने वाली है। अत- खान-पान सेवा और जरूरी सामान की लोगों तक आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। आज सरकारें जैसा व्यवहार करेंगी, उसे सदियों तक याद किया जाएगा।

क्या है वैक्सीन, कैसे बनती है

वैक्सीन आपके शरीर को किसी संक्रमण से बचाती है। वायरस, गंभीर बीमारी या पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही बीमारी से लड़ने में आपकी सहायता करती है। इसे लगाने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। इससे आप बीमारी से लड़ने में कामयाब होते हैं। वैक्सीन लगाने से इम्यून सिस्टम संक्रमण को पहचानने के लिए बूस्ट करता है... उसके खिलाफ शरीर में एंटीबॉडी बनते हैं जो बाहरी बीमारी से लड़ने में हमारे शरीर की मदद करते हैं और हम बीमारी की चपेट में आने से बच जाते हैं। अमेरिका के सेंटर ऑफ़ डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार वैक्सीन बहुत प्रभावशाली होती है। हालांकि यह किसी बीमारी का इलाज नहीं करती है, बल्कि उन्हें होने से जरूर रोकती है। वैक्सीन किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए आपके शरीर के इम्युनिटी लेवल को बूस्ट करती है।

कैसे बनती है वैक्सीन–वैक्सीन में मरे हुए बैक्टरिया, कुछ प्रोटेम और वायरस होते हैं जिन्हें बॉडी में डाला जाता है। इसके बाद बॉडी को लगता है कि असल विरोधी आ गया है तो वह एंटीबॉडी बना लेता है। फिर जब भी असल बैक्टरिया आते हैं तो एंटी बॉडी आपकी बॉडी में पहले से ही मौजूद होते हैं। जब छोटे बच्चों को टीका लगाया जाता है तब उसे हल्का बुखार आता है। इसका मतलब हुआ टीका अपना काम कर रहा है और एंटी बॉडी बना रहा है। वैक्सीन का काम होता है लोगों को बीमारी होने से बचाएं। ये बीमारी होने के बाद की दवा या इलाज नहीं है।

वैक्सीन सुरक्षित होती है?चीन में 1786 में एक परीक्षण किया गया था। इसके बाद से वैक्सीन शब्द का प्रचलन हुआ। वैक्सीन को आज के वक्त सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिना जाता है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक वैक्सीन से एक साल में करीब 30 लाख लोगों की जान बच जाती है। वह वैक्सीन तभी बाजार में आती है जब उन्हें स्थानीय दवा नियामकों से अनुमति मिलती है। चेचक जैसी बीमारी को आज टीका से मात दे दी गई और इस बीमारी को जड़ से खत्म कर दिया। हालांकि कई बार वैक्सीनेशन का प्रयोग करने में भी सालों लग जाते हैं। कोरोना वायरस को लेकर पूरी दुनिया में शोध जारी है। वर्तमान में स्थिति के अनुसार वैज्ञानिक भी दावा नहीं कर सकते है कि यह बीमारी कब और कैसे खत्म होगी। इसकी पर्याप्त वैक्सीन खोजने में महीने या सालों भी लग सकते हैं।

वैक्सीन के क्या फायदे हैं

वैक्सीन आपकी बॉडी में एंटी बॉडीज पैदा करती है। इसे लगाने से आपके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसे बीमारी की जकड़ में आने से पहले लगाया जाता है। कोरोना वैक्सीन इस बात का सबसे बेहतरीन उदाहरण है। डॉक्टर्स द्वारा यह सुझाव दिया जा रहा है कि वैक्सीन सभी को लगा लेना चाहिए। अगर आप कोरोना संक्रमित भी होते हैं तो आपको हॉस्पिटल में एडमिट होने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप घर पर ही ठीक हो सकते हैं। इसे लगाने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है। यह बीमारी का इलाज नहीं करता बल्कि उस बीमारी को रोकने में मदद करता है।

वैक्सीन के निर्यात पर लगाई रोक

भारत में कोवैक्सीन और कोविशील्ड वैक्सीन निर्मित की जा रही है। लेकिन कोरोना संक्रमण का खतरा अधिक बढ़ रहा है। लोगों को वैक्सीनेशन के प्रति जागरूक कर वैक्सीन लगाने की सलाह दी जा रही है। ऐसे में भारत में वैक्सीन की खपत तेजी से बढ़ रही है। हालांकि वैक्सीन निर्यात करने का असर अब भारत पर पड़ता दिख रहा है। कई राज्यों में वैक्सीन की उपलब्धता खत्म हो गई थी। जिसे लेकर अब कुछ दिनों के लिए वैक्सीन के निर्यात पर रोक लगा दी गई है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार भारत ने 76 देशों में करीब 6 करोड़ डोज भेजे जा चुके हैं। सूत्रों के घरेलू मांग को प्रथामिकता में रखते हुए वैक्सीन के निर्यात पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया है।

उपसंहार - वैक्सीन बचपन में भी लगाया जाता था ताकि निमोनिया जैसी बीमारी से बचा जा सके। टीका लगाने के बाद आपको बुखार आता है क्योंकि आपकी बॉडी में एंटीबॉडी बनती है और बीमारी आने पर वह तैयार रहती है। बीमारी को रोका जा सके। इसलिए वैक्सीन लगाया जा रहा है। वैक्सीन लगाने के दौरान आपको बुखार भी आता है। ऐसा बच्चों को टीका लगाने पर भी होता है और वर्तमान में टीका लगाने पर भी हो रहा है। इसका मतलब होता है वैक्सीन काम कर रहा है।

तू मेरी गज़ल और मैं तेरा कीर्तन बन जाऊँ

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

धर्म हिंदू हो या मुसलमान क्या फर्क पड़ता है? मंदिर की चौखट पर बैठने वाले भिखारी हिंदू ही सही वहाँ आने वाले भक्त गले थोड़े न लगायेंगे। उसी तरह मस्जिद के आगे बैठने वाले फकीर मुस्लिम हुए तो क्या हुआ, इबादत के लिए आने वाले नमाज पढ़ेंगे न कि गले लगाते फिरेंगे। क्या फर्क पड़ता है हिंदू या मुस्लिम होने से? हिंदू चाहे कितने भी व्रत क्यों न कर लें और मुसलमान चाहे जितने भी रोजे रख लें, दोनों टैक्स से बचने के लिए छोटी सी छोटी संभावना के लिए हाथ-पैर मारते ही हैं, क्योंकि पैसे दोनों को प्यारे हैं। हो सकता है एक के मंत्रों की भाषा संस्कृत हो और दूसरे के आयतों की भाषा अरबी लेकिन दोनों के बच्चे पढ़ते तो अंग्रेजी मीडियम के स्कूल में ही हैं न! क्या फर्क पड़ता है कि भगवद्गीता की भाषा संस्कृत है या फिर कुरान की भाषा अरबी? दोनों ही आज के चकाचौंध वाले अंग्रेजी मीडियम स्कूलों में दम तोड़ती नजर आ रही हैं। मंदिर जाने वाला भक्त जिस ऊबर-खाबड़ सड़क से होकर गुजरता है उसी सड़क से कोई नमाजी नमाज अदा करने लिए मस्जिद जाता है। दोनों के रास्ते में विकास का टायर कब का पंक्चर हो गया है। दोनों ही कौमों के न जाने कितने लोग गिरकर अपने हाथ-पैर तुड़वा चुके हैं। चाहे हलवा, पूड़ी, खीर बनाना हो या फिर बिरयानी, शीरखुर्मा दोनों के लिए किराणा की दुकान में कीमतों की सूची तो एक ही होती है। महंगाई दोनों के लिए एक जैसी होती है। कोई आँखों के बीच माथे पर जितना बड़ा तिलक या फिर कोई आँखों में जितना सुरमा लगा लें दोनों की आँखें मिलावट को पहचानने से धोखा खा जाती हैं। जिंदगी भर धोखा खाती ही रहती हैं। कोई वास्तुदोष को ध्यान में रखकर घर बनाता है तो कोई बिना वास्तु के, लेकिन क्या फर्क पड़ता है? दोनों के घर के आगे मैनहोल तो खुला रहता है। बदबू दोनों को एक सी मारती है। चाहे इसे पुण्यभूमि कह लो या फिर सारे जहाँ से अच्छा दोनों को खुली हवा में सांस लेने की आजादी कहाँ है? दोनों ही प्रदूषण के शिकार हैं। दोनों ही बिन माँगी बीमारियों के फरियादी हैं। हर दिन पवित्र गोमूत्र पीने से न कोई वेतन देने वाला है और न ही दाढ़ी मूँछ बढ़ाने से कोई उपहार मिलने वाला है। जब तक हम अपना पसीना नहीं बहायेंगे तब तक हमें कोई मेहनताना देने के लिए तैयार नहीं है। चाहे कन्या का विवाह पूर्ण संस्कारों से हों या फिर बेटी की शादी पूरे तौर-तरीकों से। दोनों इसी चिंता में तिल-तिल जला करते हैं कि उनकी लड़की जलने या मरने से बची तो रहेगी न! बारिश के दिन आने पर दोनों ही अपने अपार्टमेंटों को कागज़ की नाव की तरह नालों में डूबने से बचाने की चिंता में दिल की धड़कनों को बढ़ाते रहते हैं। वे दोनों जानते हैं कि पाश्चात्य संगीत के मोहजाल में गजल और कीर्तन दोनों का भविष्य खतरे में हैं। बावजूद इसके वे एक हैं। कारण, वे दुनिया के किसी भी कोने में चले जाएँ कहलायेंगे तो हिंदुस्तानी ही न! शायद यही एक सच्चाई है जो दोनों को एक रखती है।

गलवान घाटी तनाव में दुनिया देख रही चीन की नीयत

आखिर गलवान घाटी में चीनी घुसपैठ के महीनों बाद भारत और चीन दोनों देशों की सेनाओं ने पीछे हटने का निर्णय लिया है। इस निर्णय के बाद कुछ लोगों द्वारा भारत सरकार की आलोचना की जा रही है तो कुछ कह रहे हैं कि भारत को अभी अड़िग रहकर चीन पर दबाव बनाकर रखना चाहिए था। दरअसल इस बात को समझना होगा कि गलवान घाटी वाली घटना घुसपैठ थी न कि कोई युद्ध था। घुसपैठ होने पर भारतीय सैनिकों ने चीन को मुंह तोड़ जवाब दिया था। फिर भारतीय सेना पूरी मजबूती से सीमावर्ती क्षेत्र की रक्षा करती रही। यदि युद्ध के हालात होते तब सेना का पीछे हटना गलत माना जा सकता था। भारतीय सेना ने पीठ नहीं दिखाई, बल्कि बराबर शक्ति के आधार पर पीछे हटने का निर्णय लिया है। सीमा क्षेत्र के मामलों में जोश के साथ-साथ होश भी जरूरी होता है। राजनीतिक ब्यानबाजी करना बहुत आसान होता है किंतु ऐसे मामलों में दो देशों की स्थिति पर युद्ध के परिणामों की वास्तविक्ता का जानना बेहद जरूरत होता है। एक शक्तिशाली सेना होने के बावजूद भारत की विचारधारा अमन-शांति और लगभग आठ महीनों में अलग-अलग स्तर की बातचीत में भारत ने इतना दबाव जरूर बनाया है कि आखिर चीन को भी पीछे हटना पड़ा है। यह बात स्पष्ट है कि चीन को भारत की सैन्य ताकत का भी एहसास हुआ है। चीनी सेना की घुसपैठ के मामले को अमन-शान्ति निपटना भी भारत की बड़ी उपलब्धि है। इन परिस्थितियों में छोटी सी चिंगारी भी आग का रूप धारण कर सकती थी। युद्ध होने से बड़े स्तर पर मानवीय व आर्थिक नुक्सान होता है। भारत ने एक बड़े विवाद पर धैर्य से ताकत और बौद्धिकता का सुमेल बनाते हुए प्रभावी कूटनीति अपनाई है। चीन की सेना का पीछे हटना अपने आप में गलवान में चीनी घुसपैठ को विश्व की नजरों में चीन के गलत कदम के रूप में पेश करता है।

संकटहर्ता देवी- माँ दुर्गा

जय माँ दुर्गा जगतजननी,रखियो मेरी लाज।
संकट विपदा दूर करो, आशीर्वाद दो आज।1।
करो कृपा हे कालिका, समय कठिन कट जाय।
हर लो संकट भक्त की,चरणों में शीश झुकाय।2।
दुखों की बेड़ी पाँव में,जीवन में किये हैं पाप।
अश्रुधार से नम है आँखें, मन में भरा संताप।3।
डूबती नैया पार लगाओ,भवसागर से करो पार।
छूट गयी पतवार हाथ से,अब तो करो उद्धार।4।
पाप पुण्य में भेद बताकर,धर्म कर्म का दो ज्ञान।
मुझमें इतनी शक्ति दो माँ,मन में रहे न अज्ञान।5।
सारे जग की माता तुम हो, सब की पालनहार।
डूबती नैया पार लगा दो,करो जग का उद्धार।6।
जय माता दी बोलिये,माँ दुर्गा का शुभ नाम।
माता सिध्दिदायिनी ,सिध्द करे सब काम।7।

सुन्दर लाल डडसेना मधुर
साहित्य साधना सभा छत्तीसगढ़

आप से करें एक विशेष निवेदन

आप अपने साथ लंबी फ़ौज क्यों लाते हो।
पहले आप हाथ जोड़े निरीह से याचक थे,
अब भक्षकों के साथ घूमते पाए जाते हो।
लोगो ने कहा जमीन से जुड़ जाओ कुछ कर जाओ,
आप आसानी से सब की जमीन,हथिया लेते हो।
अब जनता कहती है की आप है देश के लिए,
देश के हो, देश को क्यो बर्बाद कर जाते हो।
जनता का ये हाल किया, देश का क्या हाल करोगे,
क्या सारा पैसा स्विस बैक में जमाकर आते हो।
पहले नेता कसम खाते है बेटे, बेटियों की,
अब कसम खाते हो दंगो में कटे मांस,बोटियों की ।
पहले नौकरी के बदले लेते थे रिश्वत,
अब नौकर की पूरी जिंदगी ही खा जाते हो।
पहले गांधी टोपी माथे ,सर पर होती थी
अब गांधी छाप नोट खुद ही छापते हो।
पहले नम्रता, पूजा, श्रद्धा से हाथ जोड़ते जनता से,
जनता के सामने पूजा -श्रद्धाओं को उठा लाते हो।
जनता खोजती रही सालों साल हर जगह,
चुनाव के बाद जाने कहा गायब हो जाते हो।

संजीव ठाकुर, कवि,चौबे बोलोनी,रायपुर 9009425415।

रामनवमी विशेष - हे मेरे भगवान राम

सदियों से जग सारा करे आपका बखान
आपकी मर्यादा का प्रण लेता है जहान
दुनिया में है जो भी वो आपसे ही तो है
हे मेरे भगवान राम, हे कृपानिधान
आप सा अब तक जगत में हुआ न कोई अन्य
आपसे भारत भूमि ये सदा रहेगी धन्य
आप सा न प्रतापी कोई, न कोई महान
हे मेरे भगवान राम, हे कृपानिधान
भक्तों के उद्धार में करते कभी न देर
प्रेम से थे खाए शबरी मां के जूठे बेर
पत्थर से अहिल्या को बनाया था इंसान
हे मेरे भगवान राम, हे कृपानिधान
आपकी कृपा से फला ब्रह्मांड का हर वर्ग
राज विभिषण ने पाया, लंकेश पाए स्वर्ग
आपकी भक्ति से अमर हो गए हनुमान
हे मेरे भगवान राम, हे कृपानिधान

विक्रम कुमार
मनोरा, वैशाली

घर वास का वो सत्ताईसवां दिन

घर वास का वो सत्ताईसवां दिन।
बदलते मौसम के मिजाज़ भी रंगीन ।।
बर्बादियों का जश्न मनाता ,
फसलों का जमीन ।
नौ ग्रह और सत्ताईस नक्षत्र के बीच ।
वैश्विक , दैविक या
तीसरा विश्वयुद्ध षड्यंत्र के बीच ।।
सरकती हुई , रेंगती हुई जीवन,
और जीवन की आस ।
कैद होकर रह गए घर में ,
अपना घर में घर वास ।।
ऐसे में याद आया सत्ताईस नक्षत्र ।
क्रमशःअश्विनी, भरणी, कृतिका,
रोहिणी, मृगशिरा, आन्द्रा,
पुनर्वस,
पुष्य, आश्लेषा, मघा,पूर्वा फाल्गुनी,
उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा,
स्वाति,
विशाखा, अनुराधा (अभिजित), ज्येष्ठा,
मूल, पूर्वाषाढा,
उत्तराषाढा,श्रवण,
घनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वा भाद्रपद,
उत्तरा भाद्र पद,रेवती ।
श्री सुशील कविवर
दो शब्द आपके
यहां पर ।
गोचरवश
परिवर्तित होता
नक्षत्र मान ।
चंद्रमा पथ
सत्ताईस नक्षत्र
भ्रमण रथ ।
अश्विनी श्रेष्ठ
गण्डमूल नक्षत्र
शांति अरिष्ट ।
मस्तिक क्षेत्र
भरणी परिक्षेत्र
उग्र प्रकृति ।
कृतिका केंद्र
व्यक्तित्व पुरूषेन्द्र
शौर्य नरेंद्र ।
रोहिणी ऊष्ण
चंद्रमा सा चमके

जन्मे थे कृष्ण ।
मधु सा मृदु
मृगशिरा नक्षत्र
कला में दक्ष ।
आन्द्रा प्रधान
सरल संस्कारित
बुद्धि प्रदान ।
ज्ञान संयुक्त
पुनर्वसु नक्षत्र
विद्या से युक्त ।
अति दुर्लभ
गुरु से पुष्य योग
सिद्धि सुलभ ।
अश्लेषा दर्प
कुंडलिनी की शक्ति
प्रवृत्ति सर्प ।
मघा मूषक
मेहनती मुखर
बुद्धि प्रखर ।
पूर्वा फाल्गुनी
आनंद से विश्राम
सुख के धनी ।
बुध आदित्य
उत्तरा फाल्गुनी
जल है तत्व ।
हस्त नक्षत्र
हनुमत प्रकटे
सुख सर्वत्र ।
चित्रा चिन्मय
साहस से सिंचित
धैर्य वंचित ।
स्वाति चरित्र
दया संवेदनशील
मोती सदृश्य ।
विशाखा मित्र
मामर्थ्य प्रदर्शन
लालच लिप्त ।
ज्येष्ठा का चित्र
पारलौकिक विद्या
परम मित्र ।
मूल का बंध
गुप्त विद्या संबंध
जड़ प्रबंध ।
विस्तृत सोच
पूर्वाषाढ़ा आरोग्य
ज्योतिष भोग्य ।
उत्तराषाढा
प्रफुल्लित स्वभाव
धार्मिक भाव ।
बलि का दान
वामन भगवान
श्रवण मान ।
धर्म में निष्ठा
धनवान धनिष्ठा
सुख का सृष्टा ।
गुप्त रहस्य
शतभिषा भेषिज
राहु की रार ।
दो मुंहा चित्र
पूर्व भाद्रपद का
सही चरित्र ।
शिव संकल्प
उत्तरा भाद्रपद
नहीं विकल्प
रेवती पुत्र
तेजस्वी प्रतिष्ठित
मान का मित्र ।
राम का जन्म
अभिजीत नक्षत्र
शरणम् मम ।

मनोज शाह मानस

अनुष्का शर्मा बचपन में दिखती थीं कुछ ऐसी

भाई के साथ शेयर की तस्वीर

अभिनेता अनुष्का शर्मा ने अपने करियर की शुरूआत रब ने बना दी जोड़ी से की थी। इस फिल्म में एक्ट्रेस शाहरुख खान के साथ लीड रोल में नजर आईं थीं। अपनी पहली ही फिल्म से अनुष्का ने फैंस के दिलों में घर कर लिया था। इस फिल्म के बाद एक्ट्रेस ने फिर कभी पीछे पलटकर नहीं देखा। हाल ही में अनुष्का ने अपने भाई कर्णेश शर्मा के साथ की एक फोटो शेयर की है।

अनुष्का शर्मा ने भाई और निमातां कर्णेश शर्मा एक तस्वीर इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर की है। अनुष्का की ये फोटो बचपन की है। एक्ट्रेस की ये बचपन वाली फोटो सोशल मीडिया पर छा गई है।

अनुष्का सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। एक्ट्रेस आए दिन अपने फैंस के लिए फोटोज आदि शेयर करती रहती हैं। अब एक्ट्रेस ने अपने भाई के साथ की बचपन की खुद की फोटो शेयर की है। अनुष्का पहले भी अपने भाई के साथ की फोटो शेयर कर चुकी हैं।

फोटो में अनुष्का शर्मा और उनके भाई के आगे न्यूजपेपर रखा नजर आ रहा है और दोनों कैमरे में देखते हुए नजर आ रहे हैं। फोटो में एक्ट्रेस ब्लैक और व्हाइट चैक की स्कर्ट और टॉप पहने नजर आ की है। दिलचस्प बात यह है कि यह तस्वीर मूल रूप से कर्णेश द्वारा साझा की गई थी और अनुष्का ने इसे अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर रीपोस्ट किया था और लिखा था कि वह इन लोगों को कितना याद कर रही हैं।

अब अभिनेत्री अनुष्का ने अपने भाई और खुद को टेबल पर बैठे हुए और बच्चों के रूप में अखबार पढ़ते हुए की एक शेयर की। अनुष्का ने अपने भाई को तस्वीर में टैग किया और बस उसमें दिल का इमोजी जोड़ा। एक्ट्रेस की ये फोटो तेजी से सोशल मीडिया पर छा रही है। फैंस को बचपन वाली अनुष्का भी काफी पसंद आ रही है।

अनुष्का शर्मा ने क्रिकेटर विराट कोहली से शादी की है और हाल ही में एक बेटी की मां बनी हैं। एक्ट्रेस की बेटी का नाम वामिका है। उन्होंने अभी तक अपनी बेटी की कोई भी फोटो फैंस के लिए शेयर नहीं की है। बेटी होने के समय ही अनुष्का ने प्रार्थना की थी कि उनकी बेटी की फोटो ना ली जाएं। अनुष्का फिलहाल फिल्मों में एक्टिंग से दूर प्रोडक्सन पर काम कर रही हैं।

शादी की खबरों के बीच छुट्टियां मना रही हैं जैस्मिन भसीन

टीवी की दुनिया की मशहूर जोड़ी जैस्मिन भसीन और अली गोनी हाल ही में अपनी शादी की खबरों को लेकर चर्चा में थी। बिग बॉस के घर से बाहर आने के बाद से ही इस जोड़ी को लेकर कई खबरें तेज हो गईं थीं। जिसके बाद अब इस जोड़ी की कुछ खास तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में अली गोनी और जैस्मिन भसीन दुबई में नजर आ रहे हैं। दोनों ने हाल ही में वेकेशन पर जाने का फैसला किया और अब दोनों दुबई में एक दूसरे के साथ मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं।

अपनी इस ट्रिप की कुछ खास तस्वीरों को एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। जो अब तेजी से वायरल हो रही है। आपको बता दें, एक्ट्रेस के फैंस उनकी इन तस्वीरों को देखकर बहुत खुश हैं। वहीं एक्ट्रेस भी फैंस के साथ अपना खास इंटरेक्शन रखना पसंद करती हैं। जिस वजह से उन्होंने अपनी तस्वीर को शेयर करते हुए फैंस को उसे कैप्शन देने की बात कही है।

जहां तक इस जोड़ी की शादी का सवाल है। हाल ही में अली गोनी ने जैस्मिन के साथ अपने रिश्तों पर खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया था कि, अभी वो जैस्मिन के साथ एक अच्छे दोस्त की तरह हैं। उससे ज्यादा उन दोनों के बीच कुछ भी नहीं है। लेकिन इनकी तस्वीरें और दोस्ती को देखकर लगता है कि ये जोड़ी एक दूसरे से बहुत प्यार करती है। देखना होगा इस जोड़ी के बीच मोहब्बत की कहानी कब शुरू होती है और ये शादी कब करते हैं।

कोरोना से जूझ रहीं कैटरीना ने शेयर की पहली फोटो चेहरे पर साफ दिखी उदासी

कोरोना का कहर देश में दिनों दिन तेजी से बढ़ता जा रहा है। एक बाद एक सेलेब्स अब कोरोना की चपेट में आते जा रहे हैं। हाल ही में अक्षय कुमार, आमिर खान और विक्की कौशल के बाद अब कैटरीना कैफ को भी कोरोना हो गया है। इस बात की जानाकरी हाल ही में एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया के एक पोस्ट के जरिए फैंस को दी थी।

कैटरीना कैफ ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर कर-के अपने चाहने वालों को इस बात की जानकारी दी है कि उनका कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। अब एक्ट्रेस ने कोरोना पॉजिटिव होने के बाद अपनी पहली फोटो फैंस के लिए शेयर की है।

कैटरीना कैफ इन दिनों कोरोना से जूझ रही हैं, ऐसे में एक्ट्रेस ने एक फोटो शेयर की जिसमें वह एक शांति के साथ नजर आ रही हैं। कैटरीना फोटो में हमेशा की तरह से सनकिस्ड नजर आ रही हैं। आपको बता दें कि इस फोटो को शेयर करते हुए कैट ने लिखा कि, वक्त और सब्र।

अपने इस पोस्ट के जरिए से एक्ट्रेस ने अपने चाहने वालों को मैसेज देने की कोशिश की है। एक्ट्रेस ने बताना चाहा है कि अभी उन्हें ठीक होने में थोड़ा और वक्त लग सकता है। इसलिए सब्र इस वक्त सबसे जरूरी है। कैट इस फोटो में बिना मेकअप के भी काफी सुंदर लग रही हैं। फोटो को फैंस के बीच काफी पसंद किया जा रहा है।

कैटरीना की फोटो और कैप्शन देखकर एक बार फिर से फैंस परेशान हो गए हैं और एक्ट्रेस के जल्द से जल्द ठीक होने की दुआ करने लगे हैं। फैंस को उम्मीद है कि कोरोना को हराकर कैटरीना एक बार फिर से दमदार वापसी करेगी।

6 अप्रैल को कैटरीना कैफ ने कोरोना संक्रमित होने की जानकारी दी थी। एक्ट्रेस ने पोस्ट शेयर करके लिखा था मेरी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मैंने तुरंत खुद को आइसोलेट कर लिया है और होम क्वारंटीन में रहूंगी। मैं अपने डॉक्टरों की सलाह से सभी तरह के प्रोटोकॉल्स का पालन कर रही हूं। मेरे संपर्क में आए सभी से निवेदन है कि वह सभी लोग अपना कोरोना टेस्ट करवा लें। आपके प्रेम और समर्थन के लिए शुक्रिया। सुरक्षित रहें और अपना रखें।

निया शर्मा की तस्वीरें मचा रही धमाल

टीवी की हॉट और बोल्ड एक्ट्रेस निया शर्मा सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। वह अपनी फोटोज और वीडियोज से सोशल मीडिया पर आग लगाती रहती हैं। अब निया ने अपनी लेटेस्ट फोटो शेयर की है जिसमें उनका हॉट अवतार देखकर आप अपनी नजरें नहीं हटा पाएंगे।

निया ने ब्लैक शॉर्ट टॉप के साथ ब्लैक रिप्पड जीन्स की फोटो शेयर की है। इसके साथ ही उन्होंने ब्लैक कैप और व्हाइट जूते पहने हैं। इन फोटोज को शेयर करने के साथ निया ने बताया कि उन्होंने खुद अपनी जीन्स फाड़ी है। निया ने लिखा, तो क्या हुआ अगर मैंने खुद अपनी जीन्स फाड़ी है।

निया की इस फोटो पर फैंस उनकी हॉटनेस की तारीफ कर रहे हैं। वे कमेंट कर रहे हैं कि टीवी इंडस्ट्री में आपके जैसी बिंदास और हॉट कोई नहीं है।

घर पर ही कर रहीं एंजॉय

निया ने अपना एक वीडियो भी शेयर किया है जिसमें वह अपनी दोस्त के साथ अपनी बिल्डिंग के नीचे ही डांस कर रही हैं। इस दौरान दोनों ने पिंक कलर की शिमरी ड्रेस पहनी है जिसमें बार्बी लिखा है। निया के डांस मूव्स देखकर आप भी इम्प्रेस हो जाएंगे। इस वीडियो को शेयर करने के साथ निया ने लिखा, क्लब बंद हैं, लेकिन मेरी आत्मा डांस करना चाहती है।

गिरने का वीडियो हुआ था वायरल

कुछ दिनों पहले निया ने अपना वीडियो शेयर किया था जिसमें वह जेट ब्लेडिंग कर रही थीं। राइड लेते हुए निया एंजॉय ही कर रही होती हैं कि तभी उनका बैलेंस बिगड़ जाता है और वह पानी में गिर जाती हैं। निया ने खुद अपना ये वीडियो शेयर किया था। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए लिखा था, गिरते हुए भी एंजॉय करो।

इंस्टाग्राम पर बढ़ रहे हैं फॉलोअर्स

इंस्टाग्राम पर निया की फैन फॉलोइंग तेजी से बढ़ रही है। हाल ही में निया के 6 मिनियन फॉलोअर्स हुए हैं। इस मौके पर निया ने फैंस के लिए स्पेशल पोस्ट शेयर कर उन्हें थैंक्यू कहा था। टीवी पर लास्ट शो नागिन 4 में नजर आई थीं। इस शो में निया के साथ जैस्मीन भसीन, रश्मि देसाई और विजेंद्र कुमेरिया लीड रोल में थे। निया ने शो में इच्छाधारी नागिन का किरदार निभाया था। इसके बाद वह खतरों के खिलाड़ी: मेड इन इंडिया में आई थीं और इस सीजन की ट्रॉफी अपने नाम की थी।

आयुष्मान खुराना ने भारत की संस्कृति को कहा धन्यवाद

आयुष्मान खुराना इस बात को लेकर खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं कि एक शानदार स्टेज परफॉर्मेंस(फिल्मफेयर अवॉर्ड्स के लिए) के जरिए उन्हें भारत की समृद्ध विरासत और विविधता को धन्यवाद देने का मौका मिला है। आयुष्मान ने अपने एक्ट से स्टेज को हिला कर रख दिया जिसमें भारत के त्योहारों की मूल भावना का प्रदर्शन किया गया था।

आयुष्मान का कहना है, मैं बचपन से ही भारत की संस्कृतियों एवं परंपराओं की ओर खूब आकर्षित होता रहा हूं। मेरे माता-पिता ने मुझे पक्के तौर पर इस बात की शिक्षा दी है कि मेरा भारत कितना विविधतापूर्ण है तथा भारत में मौजूद विभिन्न संस्कृतियों के बारे में जानने और उनके प्रति सम्मान रखने की भावना उन्होंने ही मेरे मन में बिठाई थी।

परफॉर्मेंस के दौरान आयुष्मान ने छोगड़ा, जुम्मे की रात, देवा श्री गणेशा जैसे बॉलीवुड चार्टबस्टर गानों पर जोरदार डांस किया। इस वर्सेटाइल स्टार ने आगे बताया- अपने परफॉर्मेंस के माध्यम से भारत के त्योहारों का शुक्रिया अदा करना मेरे लिए बेहद सम्मानजनक रहा। यह ऑन स्टेज एक्ट मेरे मन में एक यादगार बन गया है।

आयुष्मान के खयाल से भारतीय बड़े सौभाग्यशाली हैं कि अपना देश विविधतापूर्ण है और इस विविधता को बहुत संभाल कर रखने की जरूरत है। उनकी राय है, भारतीय होने के नाते यह हमारा परम सौभाग्य है कि हमें इतनी सारी संस्कृतियों में भीगने का अवसर मिलता है, विविधता की समृद्ध विरासत में डूबने का माहौल मिलता है। मैं हमेशा अपने देश की इस खूबसूरती को खोजता रहता हूं।

अनेक में आएंगे नजर

आयुष्मान के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह जल्द ही अनेक में नजर आएंगे। फिल्म में आयुष्मान के किरदार का नाम जोशुआ है। कुछ दिनों पहले आयुष्मान ने फिल्म से अपना लुक शेयर किया था जिसमें वह एक गाड़ी में बैठे नजर आए थे और उनकी आईब्रो आधी कटी हुई थी।अपने किरदार के बारे में बात करते हुए आयुष्मान ने कहा था, मैं खुशकिस्मत रहा हूं कि मुझे ऐसे फिल्मकारों के साथ काम करने का मौका मिला है जो अपनी कहानी बताने की शैली में मुझे भी अपनी कलाकारी दिखाने के लिए प्रेरित करते हैं। अनेक में जिस हल्की कटी भौंहे के साथ मैं दिखा हूं, वह मेरा ही आइडिया रहा है, जिस पर मैंने अनुभव सर संग चर्चा की थी। मुझे कुछ ऐसा अलग दिखना था जिस रूप में दर्शकों ने मुझे पहले कभी न देखा हो और मुझे खुशी है कि लोगों ने इसे नोटिस किया और इस पर बात कर रहे हैं।

कोरोना की दूसरी लहर के चलते गंगूबाई काठियावाड़ी रामसेतु और 'मिस्टर लेले' जैसी फिल्मों की रुकी शूटिंग

कोरोना महामारी की दूसरी लहर पूरे देश में एक बार फिर बड़ी तेजी से फैल रही है' अब इसके चलते फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी, रामसेतु और मिस्टर ले ले की शूटिंग रोक दी गई है' कोरोना वायरस के चलते बॉलीवुड के कई कलाकार इसकी चपेट में आए हैं' इनमें आमिर खान, रणबीर कपूर, अक्षय कुमार और आलिया भट्ट जैसे कलाकार शामिल है' यह सभी पॉजिटिव पाए गए थे' कई बॉलीवुड कलाकारों को क्वारिंटाइन में रहना पड़ा है' इसके चलते कई फिल्म की शूटिंग रोकनी पड़ी'

इनमें एक फिल्म रामसेतु भी है' 4 अप्रैल को अक्षय कुमार ने सभी को सूचना दी कि उनका कोरोना वायरस का टेस्ट पॉजिटिव आया है' उस समय वह फिल्म रामसेतु की शूटिंग कर रहे थे' जैसे ही यह खबर पता चली' वैसे ही फिल्म की शूटिंग रोक दी गई' फिल्म का एक भव्य सेट बनाया गया है' अब यह कुछ समय ऐसे ही रहेगा' एक सूत्र ने बताया, 'रामसेतु की शूटिंग 9 अप्रैल को शुरू होने वाली थी लेकिन यह रोक दी गई है' एक नया सेट बनाया गया था

लेकिन अब यह खाली रहेगा'' इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक कर शर्मा कर रहे हैं' वहीं फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस और नुसरत भरूचा की भी अहम भूमिका है'

पिछले महीने गंगूबाई काठियावाड़ी के निर्देशक संजय लीला भंसाली का कोरोना का टेस्ट पॉजिटिव आया था' इस फिल्म की शूटिंग रोक दी गई' इसके बाद फिल्म अभिनेत्री आलिया भट्ट का भी कोरोना वायरस का टेस्ट पॉजिटिव आया है' गंगूबाई काठियावाड़ी का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है' हालांकि फिल्म की शूटिंग अभी बाकी है'

मिस्टर ले ले

इसमें विकी कौशल और भूमि पेडणेकर की अहम भूमिका थी और दोनों एक साथ कोरोना वायरस की चपेट में आ गए' इस बारे में एक सूत्र ने बताया है' विकी कौशल और भूमि पेडणेकर मिस्टर लेले की शूटिंग कर रहे थे और उनका कोरोना वायरस का टेस्ट पॉजिटिव आया है' फिल्म की शूटिंग रोक दी गई है' कई जूनियर कलाकारों का भी कोरोना का टेस्ट पॉजिटिव आया है'

भूल भुलैया 2

कार्तिक आर्यन भले कोरोना वायरस से ठीक हो गए हैं लेकिन जब उन्होंने इस बारे में बताया था' तब भूल भुलैया 2 की शूटिंग चल रही थी और उसे रोक दिया गया था' कार्तिक आर्यन की इस फिल्म में कियारा आडवाणी की अहम भूमिका है।

एक नजर...

मुख्तार एम्बुलेंस प्रकरण में पुलिस की कार्रवाई, डॉ. अलका राय समेत दो गिरफ्तार

बाराबंकी। मुख्तार अंसारी के एम्बुलेंस प्रकरण में बाराबंकी पुलिस ने मऊ के श्याम संजीवनी हॉस्पिटल की संचालिका अलका राय और एसएन राय को गिरफ्तार कर लिया है। अलका राय के खिलाफ फर्जी वोटर आईडी लगाकर एम्बुलेंस पंजीकृत कराने का मुकदमा शहर कोतवाली में एआरटीओ ने दर्ज कराया था। पंजाब के रोपण जेल में बंद मुख्तार अंसारी मोहाली कोर्ट में जिस एम्बुलेंस से गया वह बाराबंकी में पंजीकृत है। इसकी सूचना फैलते ही हड़कंप मच गया। संभागीय परिवहन विभाग ने पत्रावली खंगाली तो डॉ. अलका राय निवासी रफीनगर बाराबंकी के नाम पर बनी वोटर आईडी के नाम पर एम्बुलेंस पंजीकृत पाई गई थी। वोटर आईडी फर्जी मिलने पर मऊ के श्याम संजीवनी हॉस्पिटल की संचालिका डॉ. अलका राय को नामजद करते हुए मुकदमा कोतवाली नगर में दर्ज कराया गया था। एसपी यमुना प्रसाद ने इस मामले में एसआईटी गठित करते हुए निरीक्षक एमपी सिंह के नेतृत्व में एक टीम मऊ भेजी थी और दूसरी टीम सीओ हैदरगढ़ नवीन सिंह के नेतृत्व में पंजाब भेजी गई थी। बीते 12 अप्रैल को मऊ गई पुलिस टीम ने डॉ. अलका राय से गहन पूछताछ की। जिसके बाद वापस लौटकर शेषनाथ राय, मुख्तार अंसारी, मुजाहिद व राजनाथ यादव ने दबाव बनाकर प्रपत्रों पर हस्ताक्षर कराने फर सभी को साजिशकर्ता साबित करते हुए धारा 120बी, 506, 177 के साथ 7सीएलए एक्ट लगाया था। इस मामले में साजिशकर्ता राजनाथ यादव पुत्र मुनेश्वर यादव निवासी अहरौली थाना सरांय लखन को गिरफ्तार किया था।

डाक्टर अलका राय समेत दो गिरफ्तार–मऊ गई बाराबंकी पुलिस टीम ने सोमवार की देर रात को डाक्टर अलका राय व एसएन राय को फर्जी प्रपत्र पर एम्बुलेंस पंजीकृत कराने के मामले में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस दोनों को लेकर बाराबंकी आ गई है। दोनों से पूछताछ जारी है।

डॉ कफील खान ने योगी सरकार से कहा, मेरा सस्पेंसन खत्म करें, महामारी के बाद फिर कर दें निलंबित

लखनऊ। बीआरडी मेडिकल कालेज ऑक्सीजन कांड के बाद से सस?पेंड चल रहे डा.कफील खान ने कोरोना काल की दुहाई देते हुए सीएम योगी से अपना निलंबन वापस लेने की मांग की है। डा.कफील ने सीएम योगी को एक चिट्ठी लिखकर कहा है कि उनका 15 वर्षों का आईसीयू का अनुभव इस समय यूपी में कोरोना को लेकर मची महामारी में मरीजों के काम आ सकता है। कोरोना वायरस की दूसरी लहर त्राही-त्राही मचा रही है।मेरा द्वष्ट में 15 वर्षो से अधिक का अनुभव शायद कुछ ज़िन्दगियाँ बचाने में काम आ सके।आपसे विनम्र निवेदन है कि इस कोरोना महामारी में देश की सेवा करने का अवसर दें सीएम योगी को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि इसी मामले में निलंबित किए गए बीआरडी के पूर्व प्राचार्य प्रो.राजीव मिश्र और मेंटिनेंस इंचार्ज डा.सतीश कुमार का निलंबन पिछले साल चार मार्च को वापस हो चुका है। लेकिन सिर्फ उनकी बहाली नहीं की जा रही। 36 से भी अधिक पत्र लिखने के बावजूद अधिकारी द्वेषपूर्ण ढंग से उनका निलंबन वापस नहीं कर रहे हैं। जबकि विभिन्न जांच अधिकारियों की रिपोर्ट और इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश में उन्हें चिकित्सकीय लापरवाही और भ्रष्टाचार के आरोपों से मुक्त कर दिया गया है। उन?होंने लिखा कि उच्च न्यायालय ने सात मार्च 2019 और उच्चतम न?यायालय ने 10 मई 2019 को अपने आदेश में 90 दिनों के भीतर उनके निलंबन पर विचार करने को कहा था लेकिन 1300 से अधिक दिनों से वह निलंबित हैं। डा.कफील ने कहा कि वह किसी अन्य हॉस्पिटल या व्यवसाय में काम नहीं कर रहे हैं। कोरोना महामारी के समय अपने देश के नागरिकों की सेवा करना चाहता हूं इसलिए मेरा निलंबन खत्म कर एक अवसर दें। चाहें तो महामारी की रोकथाम के बाद फिर से निलंबित कर दें।

डा.कफील पर तीन बार लग चुका है एनएसए–2017 के अगस्त महीने में बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में कथित रूप से ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होने से 60 से ज्यादा बच्चों की मौत के मामले में मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य समेत कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था, उनमें डॉक्टर कफील भी शामिल थे। पिछले साल उत्तर प्रदेश पुलिस ने रासुका यानी एनएसए लगाया गया था जिसके चलते डा.कफील आठ महीने तक जेल में रहे। डा.कफील पर भड़काऊ बयान देने के कई आरोप लगे। उनके खिलाफ गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में कथित रूप से ऑक्सीजन की कमी के कारण कई बच्चों की मौत और कई अन्य मामलों में एफआईआर दर्ज हैं। उन पर तीन बार एनएसए लगाया जा चुका है। हालांकि बाद में हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ लगे एनएसए को रद्द कर दिया था।

भड़काऊ भाषण देने पर किया गया था गिरफ्तार–10 जनवरी 2019, को नागरिकता विरोधी (संशोधन) अधिनियम (सीएए) विरोध प्रदर्शन के दौरान अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में भाषण देने के बाद खान को जनवरी 2020 में अरेस्ट किया गया। बाद में उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत आरोपित किया गया था।

कन्नौज मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन की कमी से चार कोरोना मरीजों की मौत

कन्नौज। देश भर में जहां एक तरफ कोरोना संक्रमण के आंकड़े तेजी से बढ़ रहे हैं वहीं दूसरी तरफ अस्पतालों में ऑक्सीजन सिलेंडर की किल्लत से मरीज परेशान है। ताजा मामला उत्तर प्रदेश के कन्नौज से आ रहा है जहां ऑक्सीजन की कमी से चार कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत हो गई। कन्नौज मेडिकल कॉलेज में स्टॉक कम पड़ने से ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं कराई जा सकी जिससे चार कोरोना मरीजों की मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने बताया कि इमरजेंसी में भर्ती लोगों के लिए ऑक्सीजन कम पड़ी जिसके चलते उनकी मौत हुई। उन्होंने बताया कि कोविड वार्ड में भर्ती 60 में से 35 मरीजों को ऑक्सीजन पर रखा गया है। मरीजों की मौत के बाद उनके परिजनों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया। मामले को देख डॉक्टर स्टाफ कर्मी ड्यूटी छोड़कर भाग गए। कोरोना संक्रमित के शव मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में रख दिए। सीएमएस डॉ. दिलीप सिंह ने बताया कि ऑक्सीजन की डिमांड लगातार की जा रही है, लेकिन उपलब्धता नहीं हो रही। इससे दिक्कत बढ़ रही है।

सुप्रीम कोर्ट से योगी सरकार को राहत, 5 शहरों में लॉकडाउन के हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाई

लखनऊ। बेकाबू होते कोरोना की रोकथाम के लिए यूपी के पांच शहरों में लॉकडाउन के हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक लगा दी है। इस मसले पर योगी सरकार को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यदि राज?य सरकार को लगता है कि वो कोरोना महामारी पर काबू कर लेगी तो ठीक है, लॉकडाउन न लगाए। इस मामले में दो हफ्ते बाद फिर से सुनवाई होगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इस पर मंगलवार को सुनवाई हुई और सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में जिरह की। बताया जा रहा है कि सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार द्वारा इलाहाबाद हाईकोर्ट को पक्षकार बनाने पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि कहा हाईकोर्ट को प्रतिवादी की लिस्ट से हटाया जाए। सुप्रीम कोर्ट में वकील तुषार मेहता ने कहा कि राज्य सरकार ने कोरोना संक्रमण को लेकर कई कदम उठाए हैं और कई कदम उठाए जाने हैं। हाईकोर्ट के पांच शहरों मे लॉकडाउन का फैसला सही नहीं है। इससे प्रशासन को गई दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। गौरतलब है कि कल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 19 अप्रैल को प्रदेश में कोरोना के विस्फोटक संक्रमण और विफल चिकित्सा तंत्र को देखते हुए प्रदेश के पांच अधिक प्रभावित शहरों में 26 अप्रैल तक लॉकडाउन लागू कर दिया था। केवल जरूरी सेवाओं की ही अनुमति

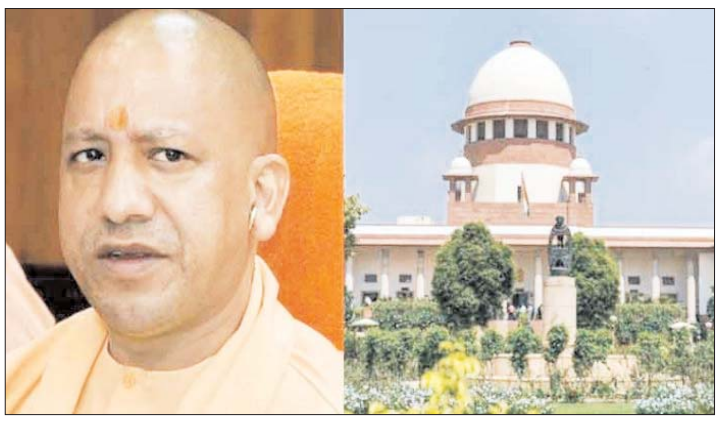

दी गई थी। हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव को प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर नगर, वाराणसी व गोरखपुर मे लॉकडाउन लागू करने का निर्देश दिया था। साथ ही राज्य सरकार को कोरोना संक्रमण पर लगाम के लिए प्रदेश मे दो सप्ताह तक पूर्ण लॉकडाउन लागू करने पर विचार करने का भी निर्देश दिया था। कोर्ट ने पिछले निर्देशों पर शासन की कार्रवाई को संतोषजनक नहीं माना और कहा कि लोग सड़कों पर बिना मास्क के चल रहे हैं। सौ फीसदी मास्क लागू करने में पुलिस विफल रही है। संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। अस्पतालों में दवाओं व आक्सीजन की काफी कमी है। लोग दवा के अभाव में इलाज बगैर मर रहे हैं और सरकार ने कोई फौरी योजना नहीं बनाई। न ही पूर्व तैयारी की। डॉक्टर, मेडिकल स्टाफ सहित मुख्यमंत्री तक संक्रमित हैं। मरीज इलाज के लिए अस्पतालों के लिए दौड़ लगा रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि इस आपदा से निपटने के लिए सरकार के लिए तुरंत इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करना कठिन है लेकिन युद्ध स्तर पर प्रयास की जरूरत है। इस पर पर पूर्ण लॉकडाउन के आदेश पर योगी सरकार ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल यूपी में पूर्ण लॉकडाउन का इरादा नहीं है। योगी सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि सख्ती कोरोना के नियंत्रण के लिए आवश्यक है। इसके लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं और आगे भी सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। जीवन बचाने के साथ साथ गरीबों की आजीविका भी बचानी है। अत- शहरों में सम्पूर्ण लॉकडाउन अभी नहीं लगेगा। योगी सरकार इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गई जहां मंगलवार को उसे राहत मिल गई। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी है।

सीएम योगी का आदेश कोरोना कहर के बीच इन जिलों में कोविड बेड की संख्या दो गुना करें

लखनऊ। सीएम योगी ने कहा कि लखनऊ, कानपुर नगर, प्रयागराज, वाराणसी,झांसी, गोरखपुर, मेरठ जनपदों सहित प्रदेश के सभी जिलों में कोविड बेड की संख्या को दोगुना करने की आवश्यकता है। फौरी तौर पर सभी जिलों में 200-200 बेड का विस्तार किया जाए। यह बेड ऑक्सीजन की सुविधा से लैस हों। इस प्रकार से 75 जिलों में तत्काल करीब 15,000 बेड का इजाफा हो सकेगा। सचिव स्तर के एक अधिकारी की तैनाती प्रदेश में बेड विस्तार के कार्य के लिए लगाई जाए। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जाए। चिकित्सा शिक्षा मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री इस संबंध में सभी जिला प्रशासनों से संवाद स्थापित कर कार्यवाही सुनिश्चित कराएं।

योगी ने कहा कि लखनऊ के केजीएमयू तथा बलरामपुर चिकित्सालय को पूरी क्षमता के साथ डेडिकेटेड कोविड अस्पताल के तौर पर पूरी क्षमता के साथ संचालित करें। इसी प्रकार, एरा, टीएस मिश्रा, इंटीग्रल, हिन्द तथा मेयो मेडिकल कॉलेज को पूरी क्षमता के साथ डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल के रूप में क्रियाशील रखा जाए। यहां इलाजरत नॉन कोविड मरीजों को यथासंभव शिफ्ट किया जाए। वर्तमान में 4500 से अधिक बेड लखनऊ में उपलब्ध हैं। और नए हॉस्पिटल को एल-2 और एल-3 श्रेणी में जोड़कर बेड्स बढ़ाये जाएं। लखनऊ में सभी हॉस्पिटलों के लिए अलग-अलग नोडल अधिकारी नियुक्त की जाए। इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के माध्यम से यहां की स्थितियों पर लगातार नजर रखी जाए। योगी ने कहा कि प्रयागराज के स्वरूप रानी मेडिकल कॉलेज और यूनाइटेड मेडिकल कॉलेज में 800 से अधिक बेड उपलब्ध हैं। इसे और बढ़ाया जाना चाहिए। निजी अस्पतालों के बेड इसके अतिरिक्त हैं। वाराणसी में आरटीपीसीआर का पॉजिटिविटी रेट अधिक है, यहां और अधिक टेस्ट किए जाने की जरूरत है। कोविड संक्रमण की रफ्तार जिस प्रकार बढ़ रही है, उस दशा में यहां और अधिक आइसोलेशन और आईसीयू बेड्स की आवश्यकता पड़नी तय है। कानपुर में जीएसवीएम, रामा, नारायणा मेडिकल कॉलेजों के साथ-साथ निजी अस्पतालों के संसाधनों का भी कोविड के लिए उपयोग में लाया जाए। योगी ने कहा कि यह सुखद है कि जिन मरीजों को कोविड टीकाकरण के दो डोज लग चुके हैं, यदि कतिपय कारणों से पुनः संक्रमित हुए हैं, तो भी चार से पांच दिनों में स्वस्थ हो जा रहे हैं। अस्पतालों की डिस्चार्ज पॉलिसी इसी के अनुरूप तैयार की जानी चाहिए। एल-1, एल-2 और एल-3 हॉस्पिटल की अलग-अलग मॉनिटरिंग करते ऑक्सीजन उपलब्ध कराया जाए। ऑक्सीजन की सुचारू आपूर्ति के लिए यह जरूरी है कि ऑक्सीजन की आपूर्ति संस्थागत रूप से हो। प्रत्येक अस्पताल में न्यूनतम 36 घंटों का ऑक्सीजन बैकअप जरूर रहे। योगी ने कहा कि वर्तमान समय की विशेष परिस्थितियों को देखते हुए यह सुनिश्चित करें कि प्रदेश स्थित एमएसएमई सहित सभी छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयों में उत्पादित होने वाली ऑक्सीजन का इस्तेमाल केवल मेडिकल कार्य के लिए हो। इन ऑक्सीजन प्लांट को इनके निकटतम हॉस्पिटल से जोड़ा जाए। इस संबंध में व्यापक कार्ययोजना आज ही तैयार कर ली जाए। जो निजी इकाइयां ऑक्सीजन रीफिलिंग के क्षेत्र में निवेश करना चाहती हैं, उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। ऑक्सीजन उत्पादनकर्ताओं के लाइसेंस के स्वतः नवीनीकरण करने के संबंध में तत्काल आदेश कर दिया जाए। योगी ने कहा कि सभी ऑक्सीजन प्लांट पर पुलिस सुरक्षा हो। ऑक्सीजन वाले वाहनों की जीपीएस मॉनिटरिंग की जाए। ऑक्सीजन व अन्य जीवनरक्षक दवाओं की कालाबाजारी और मुनाफाखोरी रोकने के लिए हर संभव कठोरतम कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रदेश में पांच नए ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना की कार्यवाही प्रारंभ हो गई है। इसे शीघ्रता से क्रियाशील किया जाए। भविष्य के दृष्टिगत 100 बेड से अधिक क्षमता वाले सभी अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट स्थापना को अनिवार्य किया जाए। एयर सेपरेशन यूनिट जैसी आधुनिक तकनीक को प्रोत्साहित किया जाए। प्रदेश में इसकी क्षमता बढ़ाई जानी चाहिए।

प्रयागराज से कानपुर आ रही रोडवेज बस में आग, बाल-बाल बचे यात्री

कानपुर। प्रयागराज से कानपुर आ रही लीडर रोड डिपो की बस में रामादेवी चौराहे के पास आग लग लग जाने से भगदड़ मच गई। राहगीरों ने बस के इंजन से धुआं उठता देखा तो हल्ला मचाया। चालक ने बस रोकी और सवारी नीचे उतार ही रहा था कि बस से लपटें उठने लगी। यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया है। फायर सर्विस की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। बस में करीब 40 लोग सवार थे। लीडर रोड डिपो की बस प्रयागराज से सुबह करीब 6.20 बजे कानपुर के लिए रवाना हुई थी। दोपहर करीब 12.15 बजे बस रामादेवी चौराहे से जीटीरोड पर पास हो रही थी। मलिक गेस्ट हाउस के पास कुछ राहगीरों ने बस के अगले हिस्से से धुआं उठता देखा तो हल्ला मचाया। चालक दिनेश सोनकर ने बस रोकी तो चिनगारी के साथ लपटे उठने लगीं। कंडक्टर राजीव कुमार ने यात्रियों को तुरंत नीचे उतारना शुरू कर दिया। महिलाएं, बच्चों में चीख पुकार मच गई। किसी तरह सभी यात्री बस से नीचे उतरे। कई यात्रियों के सामान जलकर राख हो गया। कंडक्टर राजीव कुमार ने बताया कि घटना के वक्त 40 यात्री सवार थे। इन सभी को सुरक्षित बचा लिया गया है। फायर सर्विस की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया है। बताया जा रहा है कि आग शार्ट सर्किट की वजह से लगी थी।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की सुरक्षा में तैनात इंस्पेक्टर ने युवती पर चलाई गोली

लखनऊ। लखनऊ में गोमतीनगर विस्तार के खरगापुर में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की सुरक्षा में तैनात इंस्पेक्टर धर्मेंद्र यादव ने सर्विस पिस्टल से फायरिंग कर दी। गोली दीवार से टकराने के बाद महिला किराएदार के कंधे को छूते हुए निकल गई। वारदात की सूचना पर इंस्पेक्टर गोमतीनगर विस्तार मौके पर पहुंचे। घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। वहीं, आरोपी इंस्पेक्टर के खिलाफ जानलेवा हमला करने की धारा में मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। पति-पत्नी के बीच बेटा नहीं होने को लेकर विवाद हुआ था। खरगापुर निवासी धर्मेंद्र यादव 2018 बैच के इंस्पेक्टर हैं। मौजूदा वक्त में वह पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की सुरक्षा में तैनात हैं। धर्मेंद्र की शादी प्रियांका यादव से हुई है। जिनसे उनके तीन बेटियां है। बेटे की चाह रखने वाले धर्मेंद्र का पत्नी से दो साल से विवाद चल रहा है। सोमवार शाम को भी पति-पत्नी के बीच झगड़ा हो रहा था। धर्मेंद्र के डर से प्रियंका ने मदद के लिए शोर मचा दिया। उसकी आवाज सुन कर किराएदार अंशिका गुप्ता बीच-बचाव करने पहुंच गईं। उसने धर्मेंद्र को समझाने का प्रयास किया। इस पर इंस्पेक्टर आग बबूला हो उठा।

यूपी में वीकेंड लॉकडाउन का ऐलान शनिवार और रविवार को बंद रहेंगी दुकानें

लखनऊ। यूपी में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए यूपी की योगी सरकार ने वीकेंड लॉकडाउन का ऐलान किया है। इसके तहत आवश्यक सेवाओं को छोड़कर प्रदेश में शनिवार और रविवार को सभी प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। वहीं इसके अतिरिक्त जिन जिलों में 500 से अधिक एक्टिव केस हैं, वहां हर दिन रात्रि 08 बजे से अगले दिन प्रातः 07 बजे तक आवश्यक सेवाओं को छोड़कर शेष गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी। इस नियम को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। यूपी सरकार ने अपने निर्देश में अपील की है कि जहां तक जरूरी हो, घर से बाहर न निकलें। पर्व और त्योहार घर पर ही मनाएं, निकलें तो मास्क जरूर लगाएं। योगी ने कहा कि महाराष्ट्र, राजस्थान और दिल्ली से प्रवासी जनों की वापसी हो रही है। सीमावर्ती जिलों में विशेष सतर्कता बरते जाते की आवश्यकता है। इन प्रवासी कामगार/श्रमिक जनों के सुगमतापूर्ण आवागमन की व्यवस्था की जाए। गृह विभाग और परिवहन विभाग समन्वय बनाकर आवश्यक कार्यवाही करें। इन प्रवासी श्रमिक जनों की टेस्टिंग और आवश्यकतानुसार ट्रीटमेंट की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। योगी ने कहा कि कोविड संक्रमण से सुरक्षित रखने में टीकाकरण सर्वाधिक कारगर है। उत्तर प्रदेश में अब तक कोविड टीकाकरण अभियान बेहतर ढंग से संचालित हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने एक मई से 18 वर्ष की आयु से अधिक के सभी लोगों के टीकाकरण की व्यवस्था लागू की है। उनका यह निर्णय स्वागतयोग्य है। टीकाकरण का यह नया चरण कोविड से लड़ाई में निर्णायक सिद्ध होगा। एक मई से शुरू हो रहे वृहद टीकाकरण के लिए सभी जरूरी प्रबन्ध सुनिश्चित किए जाएं। कोविड संक्रमण को कम करने के लिए राज्य सरकार बदलती परिस्थितियों के बीच लगातर कदम उठा रही है। सभी जिलों में कोविड डेडिकेटेड अस्पतालों को बढ़ाया जा रहा है। आईसीयू और आइसोलेशन बेड में हर दिन इजाफा हो रहा है। प्रदेश में ऑक्सीजन सहित सभी मेडिकल आवश्यकताओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। अपवाहों के फेर में न आएं।

आपसी विवाद में छोटे भाई ने बड़े को पर किया हंसिया से हमला, मौत

कानपुर। कानपुर में घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के असवाकपुर गांव में सोमवार शाम दो भाइयों के बीच खूनी संघर्ष में छोटे भाई ने बड़े भाई को हसिया से मार डाला। वारदात के बाद आरोपी भाग निकला। पुलिस ने सीएचसी पहुंचाया लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। असवाकपुर गांव के जगमान सिंह का छोटे भाई आनंद सिंह से घर को लेकर वर्षों से विवाद चल रहा है। कई बार दोनों के खिलाफ पुलिस ने शांति भंग की कार्रवाई भी की है। सोमवार शाम करीब 7-00 बजे इसी विवाद को लेकर दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई । आरोप है कि आनंद ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर जगमान को लाठी डंडों से पीटना शुरू कर दिया और हसिया से उसके सीने में ताबड़तोड़ कई वार किए। जिससे वह खून से लथपथ होकर गिर गया। घटना के बाद आरोपित दंपति फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जगमान को घाटमपुर सीएससी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस्पेक्टर धनेश प्रसाद ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आरोपित दंपति की तलाश में पुलिस टीमें रवाना की गई हैं। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की जाएगी।

मेरठ खतरनाक स्थिति में, संक्रमण दर दो दिन में 10 प्रतिशत तक पहुंची

मेरठ। मेरठ जिले में कोरोना का संक्रमण खतरनाक स्थिति में पहुंच चुका है। संक्रमितों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। स्थिति यह है कि अब संक्रमण दर मात्र दो दिनों में ही करीब 10 प्रतिशत तक पहुंच गई है। जिले में मात्र दो दिनों 18 और 19 अप्रैल में जिले में 16 हजार 19 सैंपल की जांच कराई गई। 16 हजार की जांच में 1457 कोरोना संक्रमित मिले, जो एक रिकार्ड है। कोरोना की लहर में इतने केस दो दिन में कभी नहीं आए। संक्रमण दर करीब 10 प्रतिशत के आसपास रही। 17 अप्रैल को जिले में 8114

सैंपल की जांच हुई, जिसमें 716 संक्रमित मिले। संक्रमण दर 8.82 प्रतिशत रही। 18 अप्रैल को जिले में 7905 सैंपल की जांच हुई, जिसमें 741 संक्रमित मिले। संक्रमण की दर 9.37 रही। संक्रमण की इतनी तेज दर कोरोना संक्रमण काल में कभी भी नहीं रही। अब तक यह रिकार्ड है। अप्रैल के महीने में मेरठ जिले में कोरोना संक्रमण तेजी से बढ़ा है। ऐसे में सभी को सतर्क रहने की जरूरत है। डीएम के. बालाजी का साफ कहना है कि आवश्यक न हो तो लोग घरों से बाहर न निकलें। बिना मास्क बाहर कोई भी न रहे। सोशल डिस्टेंसिंग का सख्ती से पालन करें।

लॉकडाउन के बाद दिल्ली से ट्रेनें आ रही फुल, बसों से भेजे गए श्रमिक

लखनऊ। दिल्ली में कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए से लॉकडाउन की घोषणा कर दिया गया। इसके बाद अप्रवासी श्रमिकों की भीड़ दिल्ली के रेलवे स्टेशन पर जुटने लगी। ट्रेनें फुल होने पर श्रमिक बस अड्डे पहुंचने लगे। इस दौरान दिल्ली के रेलवे स्टेशनों से लखनऊ आने वाली सभी ट्रेनें फुल होकर रवाना हुई। बाकी श्रमिकों को रोडवेज बसों से भेजा गया। आलम यह रहा कि ट्रेनों में वेटिंग और बिना टिकट लिए श्रमिक सवार हो गए। इस बीच ट्रेनें फुल होने के बाद श्रमिकों को आनन्द विहार बस टर्मिनल और कौशांबी बस अड्डे से अतिरिक्त बसों से भेजा गया। इस बीच सोमवार शाम छह बजे लॉकडाउन लगने के बाद से बस अड्डों पर श्रमिकों की भीड़ कम हो गई। तब जाकर रोडवेज अफसरों को राहत मिली।

बिना टिकट सैकड़ों यात्री लखनऊ पहुंचे–दिल्ली से लखनऊ आ रही ट्रेनों में सीटें फुल होने की दशा में श्रमिक बिना टिकट ट्रेन में सवार हो गए। लखनऊ मेल, गोमती, एसी एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों में वेटिंग होने के बावजूद यात्री बिना टिकट यात्रा करके लखनऊ पहुंचे। इसमें कई यात्रियों को चारबाग व लखनऊ जंक्शन पर बगैर टिकट में चालान भी हुआ।

कौशांबी बस अड्डे से भेजी गई 80 बसें–दिल्ली से लखनऊ आने वालों के लिए ट्रेनों में सीटों की मारामारी देखते हुए श्रमिक बस अड्डे पहुंच गए। वहां से परिवहन निगम प्रशासन ने श्रमिकों के लिए कौशांबी बस अड्डे से देर रात तक 80 बसों को रवाना किया। इससे यात्रियों को खासी राहत मिली और ट्रेनों में भीड़ भी कम रही।

कोविड संकटकाल का सामना सरकार और समाज के सहयोग से ही संभवः मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल में सागर ग्रुप 500, इन्दौर में राधास्वामी संस्थान 6 हजार 200, उज्जैन सिटीजन फोरम 700 बिस्तर की कर रहा है व्यवस्था, मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वयंसेवी संगठनों और चिकित्सकों का आभार माना

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोविड संकटकाल का सामना सरकार और समाज के परस्पर सहयोग से संभव है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश में स्वयंसेवी संगठनों द्वारा कोविड केयर सेंटर स्थापित करने के लिए की जा रही व्यवस्था तथा अन्य नवाचारों के लिए आभार माना। इस प्रकार की अभिनव पहल से कोविड की विकट परिस्थितियों का सामना करने में मदद मिलेगी और समाज में सकारात्मकता के भाव का विस्तार होगा। राज्य शासन इन संस्थाओं को हर संभव सहयोग देने के लिए सदैव तत्पर है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि चिकित्सकों और उनकी टीम ने कोविड संक्रमण का सामना हिम्मत, सेवाभाव और सहयोग से किया है। इससे लोगों का विश्वास बढ़ा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान निवास से स्वयंसेवी संगठनों और वरिष्ठ चिकित्सकों से वर्चुअली संवाद कर रहे थे।

चिकित्सकों से किया संवाद-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने राधास्वामी सत्संग व्यास और अन्य संगठनों की पहल से इन्दौर से विकसित हुए माँ अहिल्याबाई कोविड केयर सेंटर, उज्जैन में सिटीजन फोरम फॉर कोविड रिस्पांस द्वारा संचालित कोविड केयर सेंटर, जबलपुर में दादा वीरेन्द्र पुरी जी नेत्र संस्थान द्वारा संचालित कोविड चिकित्सालय और भोपाल में सागर समूह द्वारा विकसित किए जा रहे कोविड केयर सेंटर के लिए इन संस्थाओं का आभार माना। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इन संस्थाओं के पदाधिकारियों तथा श्री अरविन्दों इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस इन्दौर के डॉ. रवि दोषी, नेशनल हॉस्पिटल भोपाल के डॉ. पी.के. पाण्डे और मेट्रो हॉस्पिटल जबलपुर के डॉ. शैलेन्द्र व्यास से बातचीत की।

जनसहयोग से मिले 125 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर-इन्दौर में राधास्वामी सत्संग व्यास एवं अन्य सगठनों की पहल पर स्थापित किए जा रहे माँ आहिल्या बाई कोविड केयर सेंटर के संबंध में डॉ. एच.एस. पटेल और डॉ. निशांत खरे ने बताया कि कम समय में इस सेंटर को स्थापित करना सरकार और समाज की एकजुटता के परिणाम स्वरूप ही संभव हो पाया है। दस फेस के इस केन्द्र में 6 हजार 200 बिस्तर होंगे, प्रथम चरण में 600 बिस्तर की सुविधा कल से आरंभ हो रही है। बाम्बे हॉस्पिटल, मेदांता, अपोलो और चौइथराम हॉस्पिटल इस केन्द्र को चिकित्सकीय सेवाएँ उपलब्ध कराएंगे। जनसहयोग से 125 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, ऑक्सीजन प्लांट, एक्स-रे मशीन और लैब स्थापित की जा रही है।

मरीजों को सकारात्मक और आशावादी बनाएँ रखने होंगे विशेष प्रयास-भोपाल के सागर समूह के श्री सुधीर अग्रवाल ने बताया कि उनके समूह द्वारा इंजीनियरिंग कॉलेज में 12 एकड़ क्षेत्र में 500 बिस्तर का कोविड केयर सेंटर आरंभ किया जा रहा है। इस सेंटर में इलाज की व्यवस्था के साथ मरीजों को सकारात्मक और आशावादी बनाएँ रखने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस प्रशिक्षण शाला में बनेगा कोविड केयर सेंटर-उज्जैन सिटीजन फोरम फॉर कोविड रिस्पांस से जुड़े उज्जैन सेवा भारती के अध्यक्ष श्री रवि सोलंकी और भारतीय चिकित्सा संघ के अध्यक्ष डॉ. कात्यायन मिश्रा ने बताया कि उज्जैन के पुलिस प्रशिक्षण शाला में 200 बिस्तर के कोविड केयर सेंटर की तत्काल व्यवस्था की जा रही है। इसे 700 बिस्तर तक बढ़ाया जाएगा। यहाँ उज्जैन के भारतीय चिकित्सा संघ के सहयोग से चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। शासकीय विभागों और स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से अन्य व्यवस्थाएँ संचालित होंगी।

200 ऑक्सीजन बेड की व्यवस्था-जबलपुर में दादा वीरेन्द्र पुरी नेत्र संस्थान द्वारा संचालित कोविड चिकित्सालय के डॉ. पवन स्थापक ने बताया कि देवश्री नेत्रालय में 250 बिस्तर में से 200 ऑक्सीजन बेड कोविड प्रभावितों के लिए रखे गए हैं। इनमें से 10 आईसीयू बैड हैं। रेडक्रास तथा अन्य संगठन आवश्यक सहयोग कर रहे हैं।

परिजनों के अस्पताल आने पर प्रतिबंध आवश्यक-मुख्यमंत्री श्री चौहान से चिकित्सकों ने संवाद के दौरान कोविड संक्रमण प्रबंधन और उपचार के संबंध में सुझाव दिए। अरविन्दों इंस्टीट्यूट इन्दौर के डॉ. रवि दोषी ने कहा कि कोरोना मरीजों के साथ उनके परिजनों के अस्पताल में आने से संक्रमण फैलने की संभावना बढ़ती है। इन परिजनों के बाजार तथा अपने रहवासी क्षेत्रों में जाने से संक्रमण और अधिक फैलता है। अतः कोरोना मरीजों के अस्पतालों में आने पर रोक लगाना आवश्यक है।

मोहल्लों व कॉलोनियों में कराया जाए टीकाकरण-नेशनल हॉस्पिटल भोपाल के डॉ. पी.के. पाण्डे ने कहा कि स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की संक्रमण से सुरक्षा के लिए व्यवस्था करना आवश्यक है। डॉ. पाण्डे ने टीकाकरण कार्यक्रम को मोबाइल वेन के माध्यम से मोहल्लों और कॉलोनियों में कराने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि इससे टीकाकरण के लिए अस्पताल आने वाले व्यक्तियों में संक्रमण की संभावनाओं को कम किया जा सकता है। डॉ. पाण्डे ने कहा कि अगले तीन-चार हफ्ते विशेष सतर्कता बनाये रखना आवश्यक है।

एमबीबीएस व नर्सिंग विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर उनकी सेवाएँ ली जाएँ-मेट्रो हॉस्पिटल जबलपुर के डॉ. शैलेंद्र राजपूत ने कहा कि महामारी युद्ध की तरह है। राज्य शासन द्वारा इस युद्ध के लिए की गई तैयारियों की सराहना करते हुए डॉ. राजपूत ने कहा कि एमबीबीएस और नर्सिंग के छात्रों को 10 से 15 दिन का व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर उनकी सेवाएँ कोरोना संक्रमण के प्रबंधन में लेनी चाहिए। उन्होंने विकेन्द्रीकृत प्रशिक्षण व्यवस्था करने की आवश्यकता भी बताई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना मरीजों के परिजनों को घर बैठे ही अपने मरीज की स्थिति और इलाज के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक तकनीकी व्यवस्थाएँ की जा रही हैं।

मंत्री श्री सारंग ने की मेडिकल कॉलेजों के डीन से की चर्चा और दिये निर्देश

भोपाल। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि हर जिले में कोविड मरीजों के लिये 1075 कॉल सेंटर स्थापित किया गया है। मरीज के परिजन कॉल सेंटर पर कॉल कर शासकीय और अशासकीय अस्पतालों में खाली बिस्तर की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर मरीज को भर्ती करवा सकते हैं। श्री सारंग मंगलवार को मंत्रालय से प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों के डीन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा कर रहे थे। इस मौके पर अपर मुख्य सचिव श्री मोहम्मद सुलेमान, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा श्री निशांत वरवडे और चिकित्सा शिक्षा संचालक डॉ. उल्का श्रीवास्तव उपस्थित थीं। मंत्री श्री सारंग ने कहा है कि मेडिकल कॉलेज आयुष, डेन्टल और होम्योपैथी के डॉक्टर एवं पैरामेडिकल स्टॉफ को भी जल्द ही ट्रेनिंग देंगे। इससे अस्पतालों और केयर सेंटरों में स्टॉफ की कमी की पूर्ति हो सकेगी। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज इस संकट से निपटने के लिये कुछ नवाचार भी करें और अवगत करवाये।

श्री सारंग ने एक मई से 18 की उम्र के ऊपर के लोगों को वैक्सीनेशन की आवश्यक तैयारियाँ करने के निर्देश दिये। विस्तृत निर्देश अलग से जारी किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि ऑक्सीजन और मेडिकल की आवश्यकतानुसार डिमांड पहले से भेजें। साथ

हर जिले में स्थापित हो चुका है कॉल सेंटर नंबर 1075

ही ऑक्सीजन टेंकर की सप्लाई स्टेशन से डम्पिंग स्टेशन तक मेपिंग के लिये एक व्यक्ति की ड्यूटी लगाएँ, जो लगातार उसकी मॉनीटरिंग करे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि कोरोना मरीज और उनके परिजनों के लिये अस्पतालों में होटलों के रिसेप्शन जैसा हेल्प डेस्क बनाएँ, जिस पर उन्हें पूरी एक्टिविटी की जानकारी प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि मरीज की उनके परिजनों से जूम/सीसीटीवी/वीडियो कॉलिंग के माध्यम से दिन में एक बार बात जरूर करवाएँ, जिससे मरीज और उनके परिजन संतुष्ट हों। कोविड की गाइड-लाइन का पालन सुनिश्चित हो। मरीजों को अच्छा वातावरण मिल सके, इसकी हर संभव कोशिशें हो। श्री सारंग ने कहा कि टेस्टिंग की रिपोर्ट 24 घन्टे के अन्दर प्राप्त हो, इसके लिये पोर्टल पर समय से डाटा एन्ट्री हो। उन्होंने कहा कि पूरी टीम बड़ी मेहनत से काम कर रही है, यह अच्छी बात है। इस संक्रमण एवं संकट के दौर में विभाग की जिम्मेदारी बड़ी है, इसके लिये कोरोना मरीज की एडमिशन प्रक्रिया अस्पतालों में सुनिश्चित करने की जरूरत है। श्री सारंग ने कहा कि डीन, अधीक्षक और हॉस्पिटल मैनेजमेंट प्रमुख व्यवस्थाओं की सतत् निगरानी रखे। गंभीर मरीजों को आवश्यकता पड़ने पर ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित हो। कोरोना नियंत्रण एवं रोकथाम की व्यवस्था से जुड़े सभी अधिकारी लगातार संवाद बनाए रखें।

श्री भरत यादव को कलेक्टर नरसिंहपुर का प्रभार

भोपाल। राज्य शासन ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री भरत यादव को कलेक्टर नरसिंहपुर का प्रभार सौंपा है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश में नरसिंहपुर कलेक्टर श्री वेद प्रकाश की अस्वस्थ्यता अवधि में श्री भरत यादव, आयुक्त मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल तथा पदेन अपर सचिव नगरीय विकास एवं आवास को नरसिंहपुर जिले का कलेक्टर बनाया गया है। श्री वेद प्रकाश के कार्य पर उपस्थित होने पर श्री भरत यादव कलेक्टर नरसिंहपुर के प्रभार से मुक्त होंगे।

ग्रामीण परिवारों के लिए हो रही नल से जल की व्यवस्था

शहडोल में हो रहे 171 करोड़ रूपये के कार्य

भोपाल। प्रदेश की पूरी ग्रामीण आबादी को शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था किए जाने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयास तेजी से जारी हैं। नल कनेक्शन से हर घर में पेयजल की आपूर्ति किए जाने के लिए पीएचई विभाग और जल निगम द्वारा जलसंरचनाओं की स्थापना एवं विस्तार के कार्य किए जा रहे हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा शहडोल संभाग में 192 जलप्रदाय योजनाओं का कार्य जारी है। जलप्रदाय योजनाओं की लागत 171 करोड़ 64 लाख 78 हजार रूपये है, जिनमें शहडोल जिले की 91, उमरिया 03, सिंगरौली 42, तथा अनूपपुर की 56 जलसंरचनायें शामिल हैं। इन जिलों के विभिन्न ग्रामों में पूर्व से निर्मित पेयजल अधोसंरचनाओं को नये सिरे से तैयार कर रेट्रोफिटिंग के अन्तर्गत भी कार्य किये जा रहे हैं।

जल जीवन मिशन के तहत जलप्रदाय योजनाओं में जहाँ जलस्त्रोत हैं, वहाँ उनका समुचित उपयोग कर आसपास के ग्रामीण रहवासियों को पेयजल प्रदाय किया जायेगा। ऐसे ग्रामीण क्षेत्र जहाँ जलस्त्रोत नहीं हैं वहाँ जलस्त्रोत निर्मित किए जायेंगे। समूची ग्रामीण आबादी के लिए यह व्यवस्था चरणबद्ध तरीके से दिसम्बर 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य है। मध्यप्रदेश जल निगम भी शहडोल संभाग के 249 ग्रामों में नल कनेक्शन के जरिये जल उपलब्ध कराने का कार्य कर रहा है। शहडोल तथा अनूपपुर जिलों के इन ग्रामों में 49 हजार 906 नल कनेक्शन दिए जाना प्रस्तावित हैं और इससे करीब तीन लाख की ग्रामीण आबादी को लाभ पहुँचेगा। जल निगम ने इन सभी जलप्रदाय योजनाओं को दिसम्बर 2021 तक पूर्ण किये जाने का लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आम का पौधा लगाया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रतिदिन पौधा लगाने के संकल्प के अंतर्गत आज निवास में आम का पौधा रोपा। आम स्वाद, सुवास और रंग-रूप के कारण फलों का राजा कहा जाता है। आम की लगभग एक हजार से अधिक किस्में हैं, जिनमें व्यापारिक दृष्टिकोण से 40-50 किस्में ही उपयुक्त पाई गई हैं। आम भारत वर्ष का सर्वसुलभ और लगभग हर प्रांत में आसानी से लगाया जा सकने वाला फल है। दशहरी, लगड़ा, चौसा, फजरी, अलफांजो, तोतापरी, बाम्बे ग्रीन आदि आम की प्रमुख किस्में हैं। मध्यप्रदेश में अलीराजपुर जिले के कट्ठीवाड़ा में होने वाले नूरजहाँ, रीवा के सुंदरजा की अपनी विशिष्ट पहचान है। प्रदेश में आम्रपाली, मल्लिका, गाजरिया, दहीयड़ आदि कुछ स्थानीय किस्में हैं। आम का फल, इसकी पेड़ की छाल विशिष्ट औषधियों से परिपूर्ण होती हैं। मांगलिक अवसरों पर घरों में द्वार पर आम की पत्तियों की सज्जा की जाती है। पत्ती सरल, लम्बी एवं भाले के समान होती है। फूल छोटे-छोटे एवं समूह में रहते है, जिसे मंजरी कहते हैं। आम का तना लम्बा एवं मजबूत होता है।

कोरोना वालेंटियर्स द्वारा 1550 से अधिक लोगों को लगवाई गई कोविड वैक्सीन

जिले में सभी विकासखण्डों में चलाया जा रहा है जागरूकता अभियान

रायसेन। मैं कोरोना वालेंटियर अभियान के अन्तर्गत मप्र जन अभियान परिषद द्वारा जिले के सभी विकासखण्डों में कोरोना महामारी को लेकर जागरूकता का कार्य किया जा रहा है। जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में कोरोना वालेंटियर्स द्वारा अपने-अपने गॉव में 100 प्रतिशत टीकाकरण कराने के लिए घर-घर जाकर ग्रामीणों से कोरोना का टीका लगवाने का आग्रह किया जा रहा है। इसके साथ ही ग्रामीणों को निःशुल्क मास्क भी वितरित किए जा रहे हैं। जिले में आज कोरोना वालेंटियर्स द्वारा ग्रामीणों को कोरोना महामारी से बचाव हेतु जागरूक करने के साथ ही लगभग 1550 लोगों को वैक्सीन लगवाई गई। साथ ही 2200 से अधिक लोगों को मास्क वितरित किए गए। कोरोना वालेंटियर्स द्वारा मास्क नहीं लगाए व्यक्तियों को मास्क लगाने और सामाजिक दूरी का पालन करने की समझाईश दी जा रही है। होम आइसोलेशन में इलाज करा रहे व्यक्तियों को आवश्यक चीजें उपलब्ध कराई जा रही है और उनको चिकित्सकीय सलाह भी दी जा रही है। वालेंटियर्स द्वारा लोगों को बताया जा रहा है कि इस कोरोना महामारी से हम सबको एकजुट होकर लड़ना है और शासन का पूरा सहयोग करना है। शासन एवं प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर ही हम कोरोना को हरा पाएंगे। ग्रामीणों को समझाईश दी जा रही है कि प्रशासन द्वारा दिये जा रहे निर्देशां का पालन करना अनिवार्य है। गैरतगंज विकासखण्ड के ग्राम जमीत पंचायत में कोरोना वालेंटियर हनुमत सिंह लोधी ग्रामीणों को कोविड वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित करते हुए 45 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 150 लोगों को कोविड वैक्सीन लगवाई गई है।

पात्र परिवारों को एकमुश्त निःशुल्क दिया जाएगा तीन माह का राशन

रायसेन। राज्य शासन द्वारा जारी आदेशानुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत पात्र हितग्राहियों को उचित मूल्य दुकानों से नियमित खाद्यान्न वितरण किए जाने वाले राशन को बिना बॉयोमेट्रिक सत्यापन के तीन माह का राशन एकमुश्त निःशुल्क वितरित किया जाएगा। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव द्वारा इस संबंध में सभी एसडीएम, उपायुक्त सहकारिता, सहायक एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों सहित सभी संबंधित अधिकारियों को कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग एवं अन्य सावधानियों का पालन करते हुए राशन वितरण कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री भार्गव ने संबंधित अधिकारियों को राज्य शासन के आदेशानुसार राशन वितरण के अंतर्गत पात्र परिवारों को माह अप्रैल, मई एवं जून 2021 का राशन निःशुल्क एकमुश्त माह अप्रैल 2021 में प्रदान किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिन हितग्राहियों ने अप्रैल एवं मई

कलेक्टर ने सोशल डिस्टेंसिंग सहित जरूरी सावधानियां रखते हुए वितरण सुनिश्चित कराने के दिए निर्देश

का राशन प्राप्त कर लिया है, उन्हें माह जून का राशन निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। जिन दुकानों पर राशन की कमी हो, वहाँ तुरंत राशन की प्रतिपूर्ति कराई जाएगी।

पीओएस मशीनों से होगा राशन वितरण-सभी पात्र हितग्राहियों को पीओएस मशीन से ही राशन का वितरण किया जाएगा। कलेक्टर श्री भार्गव ने उचित मूल्य दुकान पर राशन वितरण के लिए अन्न उत्सव हेतु नियुक्त नोडल अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नोडल अधिकारी द्वारा अपनी उपस्थिति में जिन पात्र परिवारों को राशन वितरण कराया जाएगा, उनकी सूची अनुविभागीय अधिकारी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। समस्त हितग्राहियों को राशन वितरण के समय पीओएस मशीन से पावती दिए जाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

वृद्धजनों को आशीर्वाद योजना के तहत राशन-कलेक्टर श्री भार्गव ने वृद्धजनों एवं शारीरिक रूप से निःशक्त हितग्राहियों को आशीर्वाद योजना के अंतर्गत उनके घरों तक राशन पहुंचाने अथवा नामित व्यक्ति द्वारा घर तक राशन पहुँचाए जाने के संबंध में निर्देश दिए हैं। इस व्यवस्था के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को पोर्टेबिलिटी की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी। यदि किसी हितग्राही को पोर्टेबिलिटी के माध्यम से राशन प्राप्त करना है तो उन्हें बायोमैट्रिक सत्यापन के बाद ही राशन दिया जाएगा। कलेक्टर श्री भार्गव ने उचित मूल्य दुकानें नियमित रूप से खली जाकर पात्र परिवारों को सतत् वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही दुकानों पर एक समय में अधिक हितग्राही उपस्थित न हो इसके लिए दुकान खोलने के समय में वृद्धि करने तथा कोविड प्रोटोकाल, गाइडलाइन का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं।

प्रदेश के 9 मेडिकल कॉलेज में लगेगी सीटी, एमआरआई मशीन

रायसेन। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग की मौजूदगी में चिकित्सा शिक्षा विभाग और वास्को टेली रेडियोलॉजी कम्पनी के मध्य एमओयू हुआ। कम्पनी द्वारा 9 मेडिकल कॉलेज में सीटी/एमआरआई मशीन लगाई जायेगी। इसमें इंदौर, जबलपुर, सागर, दतिया, शहडोल, शिवपुरी, रतलाम, विदिशा और खण्डवा मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। इस मौके पर कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया और चिकित्सा शिक्षा विभाग की संचालक डॉ. उल्का श्रीवास्तव भी मौजूद थीं। स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल-रूम में की समीक्षा-चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री सारंग कोविड मरीजों को समुचित उपचार मिल सके, इसके लिये लगातार प्रयासरत हैं। इसके लिये वे स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल-रूम जाकर स्थिति का आकलन और व्यवस्थाओं की तैयारियों की समीक्षा लगातार कर रहे हैं। श्री सारंग ने कोविड केयर सेंटर, होम आइसोलेशन, ऑक्सीजन सहित दवाओं की स्थिति का आकलन किया। उन्होंने निर्देश दिये कि बेड क्षमता बढ़ाने के लिये सतत प्रयास जारी रखें, जिससे कोरोना के मरीजों का उपचार हो सके। उन्होंने लोगों को जागरूक करने के लिये अभियान चलाने को भी कहा। इस मौके पर कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया, नगर निगम आयुक्त श्री के.व्ही.एस. चौधरी और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विकास मिश्रा उपस्थित थे। सागर पब्लिक स्कूल रातीबड़ बनेगा कोविड केयर सेंटर-रातीबड़ स्थित सागर पब्लिक स्कूल में कोविड केयर सेंटर बनाया गया है। इसमें 200 बेड तैयार किये गये हैं। इस सेंटर पर होम आइसोलेशन की व्यवस्था हो सकेगी। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री सारंग ने आज इसका मुआयना किया। उन्होंने व्यवस्थाओं संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस मौके पर कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विकास मिश्रा मौजूद थे।

सेना भी करेगी संक्रमण नियंत्रण और रोगियों की देखभाल में सहयोग मुख्यमंत्री श्री चौहान से मिले वरिष्ठ सैन्य अधिकारी

रायसेन। देशभर में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने में भारतीय सेना भी हमकदम बनेगी। मध्यप्रदेश से हुई पहल के अंतर्गत आज मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने भेंट की। भेंट करने वालों में सुदर्शन चक्र कोर कमांडर श्री अतुल्य सोलंकी और ब्रिगेडियर आशुतोष शुक्ला शामिल हैं।

भोपाल, जबलपुर, सागर और ग्वालियर में होगी व्यवस्था-सैन्य अधिकारियों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को बताया कि कोरोना संक्रमित रोगियों को सेना के अस्पतालों और आइसोलेशन केंद्रों में स्थान दिया जाएगा। भोपाल में लगभग 150, जबलपुर में 100, सागर में 40 और ग्वालियर में 40 आइसोलेशन बेड की व्यवस्था के लिए प्रयास आज से प्रारंभ किए जा रहे हैं।

रक्षा मंत्री से भी चर्चा हुई-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज ही केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह से भी सेना से सहयोग के प्राप्त करने के संबंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा आवश्यकता हुई तो सेना द्वारा संचालित इन आइसोलेशन केन्द्रों में मध्यप्रेदश शासन आइसोलेटेड रोगियों के लिए ऑक्सीजन व्यवस्था भी उपलब्ध करवाएगा। भोपाल स्थित आइसोलेशन केंद्र के लिए ऑक्सीजन लाइन भी स्थापित की जा सकती है। इससे गंभीर स्थिति होने पर आइसोलेटेड रोगी को आवश्यक उपचार मिल सकेगा।

केंद्रीय रक्षा मंत्री से हुई मुख्यमंत्री श्री चौहान की चर्चा

पैरामेडिकल स्टाफ भी देंगे-सेना के अधिकारियों ने रोगियों की समुचित देखभाल के लिए पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध कराने के लिए भी आश्वस्त किया। कोरोना संक्रमण के नियंत्रण के लिए सेना की ओर से प्रदेश में बिस्तर उपलब्ध करवाने एवं पूर्ण सहयोग के लिए आश्वस्त किया गया। संक्रमण की बढ़ती रफ्तार को देखते हुए आवश्यक प्रबंध हो जाने से आइसोलेशन रोगियों की देखरेख का कार्य हो सकेगा।

सेना पर गर्व है-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भारतीय सेना पर हम सभी को गर्व है। संकट के समय में सेना से किए गए अनुरोध का अच्छा रिस्पांस मिला है। यह सच है कि प्रदेश में संक्रमण बढ़ा है। सरकारी प्रयासों का साथ जन- जागरूकता भी बढ़ रही है। आगामी 30 अप्रैल तक मध्यप्रदेश में कोरोना कर्फ्यू लागू है। इसमें जनता भी सहयोग कर रही है।

वरिष्ठ अधिकारी अधिकृत-सेना द्वारा दिए जाने वाले इस सहयोग से संक्रमित रोगियों की बेहतर देखभाल की जा सकेगी। आवश्यक समन्वय के लिए मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री मनीष रस्तोगी और सेना सुदर्शन चक्र भोपाल की ओर से ब्रिगेडियर आशुतोष शुक्ला अधिकृत किए गए हैं।

यह भी युद्ध है-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह भी एक तरह का युद्ध है। हम सभी मिलकर लड़ेंगे और विजय प्राप्त करेंगे। कोर कमांडर सुदर्शन चक्र श्री अतुल्य सोलंकी ने कहा कि मध्यप्रदेश की जनता की समस्या हमारी समस्या है। हम इसके समाधान में सहभागी बनेंगे।

खुशियों की दॉस्ता

स्वयं को खतरे में डालकर दूसरों को कर रहे हैं भयमुक्त

ग्वालियर। कोरोना संक्रमण के दौरान जहां हर कोई एक दूसरे से दूरी बना रहा है तथा अपने घर में ही रहना चाह रहा है वहीं दूसरी ओर स्वयं को कोरोना संक्रमण के खतरे में डालकर दूसरों को संक्रमण से भयमुक्त कर रहे हैं , नगर निगम के कर्मचारी सूरज मेवाती। यह वह नाम है जो प्रतिदिन सुबह सार्वजनिक शौचालयों की धुलाई व सफाई करने के बाद क्षेत्र में निकलकर कोरोना पॉजिटिव मरीजों के घर-घर जाकर उनके व उनके आसपास के घरों को सैनिटाइज कर रहे हैं। कोरोना संक्रमण के खतरे के बीच नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में निगम के कर्मचारी शहर के नागरिकों को संक्रमण के भय से मुक्त करने के लिए निरंतर साफ-सफाई एवं सैनिटाइजेशन का अभियान चला रहे हैं।

निगम के इसी अभियान का हिस्सा है गोल पहाड़िया निवासी सूरज मेवाती, जोकि नगर निगम ग्वालियर में सफाई कर्मी के पद पर पदस्थ रहकर इस कोरोना काल जैसी विकट घडी में अपने कार्यों को पूरी ईमानदारी से करते हैं। उनके द्वारा प्रतिदन सुबह जोन 20 के वार्ड 47,48,51 व 53 के अंतर्गत आने वाले सभी सार्वजनिक शौचालायों की साफ सफाई व धुलाई का कार्य किया जाता है, जिससे ऐसे नागरिकों व गरीबों जिनके घर पर शौचालय नहीं है अथवा जो किसी कार्य से घर से बाहर घूम रहे हैं और इन्हें शौचालय उपयोग करने की आवश्यकता पड़ रही है वह सभी नागरिक बिना किसी कोरोना संक्रमण के भय के इन शौचालयों का उपयोग कर सकें। उसके बाद सूरज मेवाती द्वारा चारों वार्डों में जितने भी कोरोना पॉजिटिव मरीज निकलते हैं, उनके घर बिना डरे पीपीई किट पहनकर पूरे घर व कॉलोनी को सैनिटाइज करने का कार्य करते है। वैसे तो नगर निगम के सभी कर्मचारी कोरोना योद्धा के रूप में कार्य कर रहे हैं परंतु श्री सूरज मेवाती द्वारा जोखिम भरा कार्य बिना डरे किया जा रहा है। वह कहते हैं यह तो मेरा कार्य जो मुझे करना ही है साथ ही सभी साथियों का उत्साह बढाते हुए उन्हे कहते हैं कि कोरोना महामारी से हम सभी को मिलकर लडना है तभी हम इस महामारी पर विजय पा सकते हैं।

दिल्ली से छतरपुर के लिए जा रही मजदूरों से भरी बस पलटी

108 इमरजेंसी एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को शीघ्र पहुंचाया अस्पताल

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। जानकारी के अनुसार कल दिल्ली में 6 दिन के लॉक डाउन की घोषणा के बाद प्रवासी मजदूरों में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया है सभी प्रवासी मजदूर अपने परिवार के साथ अपने गांव जाने को मजबूर हो गए हैं लोगों लोगों को यह डर सता रहा है कि पिछले साल की तरह इस साल भी कहीं हजारों किलोमीटर पैदल ना जाना पड़े इस कारण इस कारण मजदूरों ने ट्रेन न मिलने के कारण बसों से ही जाना स्वीकार कर लिया इस अफरा-तफरी के बीच दिल्ली से छतरपुर टीकमगढ़ मजदूरों से भरी युवराज ट्रैवल्स की यू पी 93 सी टी 0556 बस,मंगलवार सुबह 10ः00 बजे,ग्वालियर के जोरासी घाट पर अनियंत्रित होकर पलट गई, बस पलटने का कारण तेज गति बताया जा रहा है, बस के पलटते ही चीख-पुकार की आवाजें गूंजने लगी पास से गुजर रहे राहगीरों ने और आसपास के ग्रामीणों ने शोर सुनकर तुरंत पुलिस और 108 इमरजेंसी एंबुलेंस को सूचना दीजिए बस पलटने के कारण तीन लोगों की मृत्यु होना बताया जा रहा है और 24 लोग घायल हो गए, ग्रामीण और राहगीर तुरंत राहत कार्य में जुट गए, कई यात्रियों ने बसों की खिड़कियों से कूद कर अपनी जान बचाई, ग्रामीण राहगीर जैसे तैसे करके बस में अंदर घुसे और उन्होंने महिला और बच्चों को बाहर निकाला इसी बीच सूचना मिलते ही एसीपी सहित पुलिस की टीम और 108 इमरजेंसी एंबुलेंस की गाड़ियां भी, टेकनपुर, गिरवाई नाका, डाबरा, ए,एल,एस तथा बारादरी 108 घटनास्थल पर समय पर पहुंच गई, पुलिस बल घायलों की मदद में जुट गए, पुलिस कप्तान अमित सांगी जी भी मौके पर पहुंच गए, पुलिस ने क्रेन की मदद से बस को उठाकर सभी घायलों को बाहर निकलवाया, और 108 इमरजेंसी एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को ग्वालियर जय रोग अस्पताल पहुंचाया, जिससे सभी घायलों को समय पर इलाज दिया जा सका।

कोरोना वैक्सीनेशन शिविर में आज 15वें दिवस 255 लोगों द्वारा लगवाया गया टीका

ग्वालियर। एमपीसीसीआई द्वारा संस्था के सदस्यगणों सहित आमजनता की सुविधा हेतु आज 15वें दिवस भी कोरोना वेक्सीनेशन शिविर का आयोजन 'चेम्बर भवन' में किया गया। एमपीसीसीआई, अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया है कि आज के शिविर में कुल 255 लोगों द्वारा वेक्सीनेशन कराया गया । एमपीसीसीआई द्वारा दिनांक 21 अप्रैल को भी संस्था के सदस्यों सहित आमजनता के लिए प्रातः 11.00 बजे से शिविर का आयोजन किया गया है । शिविर में 45 वर्ष से ज्यादा के सभी लोग वेक्सीनेशन करा सकते हैं । शिविर निःशुल्क है । कृपया आधार कार्ड अथवा अन्य कोई आईडी प्रूफ लेकर ही आएँ ।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आम का पौधा लगाया

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रतिदिन पौधा लगाने के संकल्प के अंतर्गत आज निवास में आम का पौधा रोपा। आम स्वाद, सुवास और रंग-रूप के कारण फलों का राजा कहा जाता है। आम की लगभग एक हजार से अधिक किस्में हैं, जिनमें व्यापारिक दृष्टिकोण से 40-50 किस्में ही उपयुक्त पाई गई हैं। आम भारत वर्ष का सर्वसुलभ और लगभग हर प्रांत में आसानी से लगाया जा सकने वाला फल है। दशहरी, लगड़ा, चौसा, फजरी, अलफांजो, तोतापरी, बाम्बे ग्रीन आदि आम की प्रमुख किस्में हैं। मध्यप्रदेश में अलीराजपुर जिले के कट्ठीवाड़ा में होने वाले नूरजहाँ, रीवा के सुंदरजा की अपनी विशिष्ट पहचान है। प्रदेश में आम्रपाली, मल्लिका, गाजरिया, दहीयड़ आदि कुछ स्थानीय किस्में हैं। आम का फल, इसकी पेड़ की छाल विशिष्ट औषधियों से परिपूर्ण होती हैं। मांगलिक अवसरों पर घरों में द्वार पर आम की पत्तियों की सज्जा की जाती है। पत्ती सरल, लम्बी एवं भाले के समान होती है। फूल छोटे-छोटे एवं समूह में रहते है, जिसे मंजरी कहते हैं। आम का तना लम्बा एवं मजबूत होता है।

बिना मास्क के घूम रहे लोगों के चालान किये

ग्वालियर। मास्क नहीं पहनने वाले के खिलाफ लगातार पुलिस चालानी कार्रवाई कर रही है। आज इंदरगंज चौराहे पर उप पुलिस अधीक्षक यातायात नरेश अन्नोटिया के नेतृत्व में बिना मास्क पहन घूम रहे लोगों को पकडा गया। अन्नोटिया ने बताया कि ऐसे लोगों को समझाईश भी दी गई और चालानी कार्रवाई भी की गई। अन्नोटिया ने बताया कि यह कार्रवाई आगे भी चलती रहेगी।

राष्ट्रीय मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा स्थगित

अब 15 मई तक कर सकेंगे आवेदन

दतिया। राष्ट्रीय मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति के लिए 2 मई 2021 को आयोजित होने वाली चयन परीक्षाए् को कोविड 19 की वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। परीक्षा की नवीन तिथि पृथक से घोषित की जाएगी। राज्य शिक्षा केंद्र के अपर संचालक श्री ओ. एल. मंडलोई ने बताया कि ह्रस्स्स् परीक्षा के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि पूर्व में 15 अप्रैल थी, जिसे 15 मई 2021 तक बढ़ाया गया है। इच्छुक छात्र एमपी-ऑनलाइन के माध्यम से परीक्षा के लिए आवेदन कर सकेंगे। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2008 में प्रारंभ की है। चयनित विद्यार्थियों को कक्षा नौवीं से बारहवीं तक प्रतिवर्ष 12 हज़ार रुपये के मान से छात्रवृत्ति दी जाती है। कक्षा आठवीं में अध्यनरत नियमित छात्र, जिन्होंने कक्षा सातवीं में कम से कम श्स्रीश् ग्रेड प्राप्त किया है और जिनके अभिभावकों की सकल वार्षिक आय एक लाख पचास हजार रूपए से अधिक नहीं है, इस छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह छात्रवृत्ति केवल शासकीय, शासकीय अनुदान प्राप्त एवं स्थानीय निकायों के विद्यालयों में अध्ययनरत नियमित विद्यार्थियों के लिए है।

अत्यावश्यक सेवाओं वाले कार्यालय ही संचालित होंगे

दतिया। प्रदेश सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम एवं बचाव के संबंध में पूर्व में जारी दिशा-निर्देशों के साथ ही अतिरिक्त दिशा-निर्देश जारी किये हैं। नवीन निर्देशानुसार अत्यावश्यक सेवाएँ देने का कार्य करने वाले कार्यालयों को छोड़कर शेष कार्यालय 10 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ ही संचालित किये जा सकेंगे। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने बताया है कि निर्देशों का पालन कड़ाई से सुनिश्चित कराया जायेगा, ताकि संक्रमण की चेन को तोड़ा जा सके। नवीन दिशा-निर्देशानुसार अत्यावश्यक सेवाओं में कलेक्ट्रेट, पुलिस, आपदा प्रबंधन, फायर, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, जेल, राजस्व, पेयजल आपूर्ति, नगरीय प्रशासन, ग्रामीण विकास, विद्युत प्रदाय, सार्वजनिक परिवहन, कोषालय इत्यादि को शामिल किया गया है। डॉ. राजौरा ने बताया है कि केन्द्र सरकार के कार्यालय, जो अत्यावश्यक सेवाएँ प्रदान नहीं करते हैं, वे भी 10 प्रतिशत कर्मचारियों की उपस्थिति के साथ संचालित किये जायेंगे। आई.टी. कम्पनियों, बीपीओ, मोबाइल कम्पनियों का सपोर्ट स्टॉफ एवं यूनिट्स को छोड़कर शेष निजी कार्यालय भी 10 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ ही चलेंगे। उन्होंने बताया है कि 10 प्रतिशत के बँधन के कारण जो कर्मचारी कार्यालय नहीं आते हैं, वे घर से ही कार्य (वर्क फ्रॉम होम) करेंगे। डॉ. राजौरा ने बताया है कि नवीन निर्देशानुसार कलेक्टर्स को किराना के थोक व्यापारियों द्वारा फुटकर किराना दुकानों में सामग्री का प्रदाय सतत एवं निर्बाध रूप से बनाये रखने के निर्देश दिये गये हैं। बड़ी सब्जी मण्डियों को छोटे-छोटे स्वरूप में शहरों के विभिन्न भागों में बाँटे जाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। नवीन निर्देशानुसार सामाजिक, राजनैतिक, खेलकूद, मनोरंजन, शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सार्वजनिक तथा धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजनों के लिये लोगों का एकत्रित होना पूर्णतः वर्जित रहेगा। ऑटो, ई-रिक्शा में दो सवारी तथा निजी चार पहिया वाहनों में ड्रायवर तथा दो पेसेंजरों को (मास्क के साथ) यात्रा करने की अनुमति रहेगी।

सीजीएसटी व जीएसटी सहित राजस्व वसूली की अंतिम तिथियों को बढ़ाए जाने अथवा पेनल्टी वसूल नहीं किए जाने हेतु एमपीसीसीआई द्वारा माननीय प्रधानमंत्री-श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं केन्द्रीय वित्तमंत्री-माननीया श्रीमती निर्मला सीतारमण को पुनः लिखा पत्र

ग्वालियर । एमपीसीसीआई द्वारा आज पुनः माननीय प्रधानमंत्री-श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं केन्द्रीय वित्तमंत्री महोदया-श्रीमती निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर माँग की है कि लॉकडाउन अवधि के दौरान सीजीएसटी व जीएसटी सहित वेट एवं राजस्व शुल्क जमा करने की अंतिम तिथियों को आगे बढ़ाया जाए ।

एमपीसीसीआई द्वारा प्रेषित पत्रों में कहा गया है कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर को ध्यान में रखकर सरकार द्वारा देशभर के लगभग सभी शहरों में लॉकडाउन किया गया है, जिससे व्यापारिक-औद्योगिक गतिविधियाँ पूरी तरह से ठप्प है । कारोबार पूरी तरह से बंद होने से कारोबारी वेट सहित सीजीएसटी व जीएसटी जमा नहीं कर पा रहे हैं । व्यवसाई अपना कारोबार बंद रखकर, लॉकडाउन का पूर्णतः पालन कर, सरकारी आदेश का सम्मान कर रहे हैं । बावजूद इसके सरकार का इस विषम परिस्थितियों में दोहरा चरित्र देखने में आ रहा है । एक ओर सभी जगह लॉकडाउन किया जा रहा है, जिससे कारोबारी गतिविधियाँ ठप्प हैं । वहीं दूसरी ओर सीजीएसटी व जीएसटी जमा करने के अंतिम तिथियों को आगे नहीं बढ़ाया जा रहा है और न ही पेनल्टी माफ की जा रही है । सरकार के इस दोहरे रवैये की मार कारोबारियों पर पड़ रही है । एमपीसीसीआई अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कहा है कि यह आवश्यक है कि वर्तमान विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा सीजीएसटी व जीएसटी सहित वेट जमा करने की ऐसी तिथियाँ, जिनको जमा करने की अंतिम तिथि लॉकडाउन अवधि में हैं, उन्हें आगे बढ़ाया जाए अथवा तिथि आगे नहीं बढ़ाने की स्थिति में उन पर किसी प्रकार की पेनल्टी वसूल नहीं किए जाने हेतु आदेश जारी किए जाएं । ज्ञात रहे एमपीसीसीआई द्वारा इस संबंध में दिनांक 15 अप्रैल,21 को पत्र के माध्यम से अनुरोध किया गया था, परन्तु फिर भी जीएसटी रिटर्न की अंतिम तिथियों को न तो आगे बढ़ाया जा रहा है और न ही पेनल्टी माफ की जा रही है । पदाधिकारियों ने कहा है कि कि लॉकडाउन अवधि के दौरान सीजीएसटी व जीएसटी सहित वेट एवं राजस्व शुल्क जमा करने की जो भी अंतिम तिथियाँ हैं, उन्हें आगे बढ़ाने हेतु तत्काल आदेश जारी किए जाएँ और तिथि आगे नहीं बढ़ाने की स्थिति में जुर्माना नहीं वसूल किए जाने के आदेश संबंधित विभागों को जारी किए जाएँ, ताकि कारोबारियों को दोहरी मार से राहत मिल सके ।

सड़कों पर पसरा सन्नाटा, घरों में कैद हुए लोग

पुष्पांजली टुडे, नीतेश शर्मा

ग्वालियर। शहर में कोरोना कर्फ्यू के छठवें दिन शहर की सड़कों पर पुष्पांजलि टुडे की टीम द्वारा स्थिति का जायजा लिया गया, आमतौर पर जो इलाका भीड़भाड़ वाला होता था वहाँ सड़को पर सूनसान पड़ी हुई थी जरूरतमंद लोग ही घरो से निकल रहे थे ।

अपनी सुरक्षा के साथ कोविड मरीजों के उपचार की जिम्मेदारी निभाएँ डॉक्टर्स

दतिया। आयुष राज्य मंत्री श्री रामकिशोर कावरे ने कहा है कि कोरोना मरीजों के उपचार के लिये अधिकारी और डॉक्टर गंभीरता से सकारात्मक सोच के साथ कार्य करें। इस महामारी में लापरवाही करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। श्री कावरे बालाघाट में कोरोना की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। इस मौके पर डॉक्टर्स और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। श्री कावरे ने कहा कि कोरोना की रोकथाम के लिये अच्छा काम करने वालों को पूरा प्रोत्साहन और सहयोग मिलेगा। कोरोना ड्यूटी के आदेश का पालन नहीं करने वाले डॉक्टर्स का पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही होगी। उन्होंने कहा कि कोरोना के उपचार में काम आने वाली दवाएँ और इंजेक्शन की कालाबाजारी नहीं होनी चाहिये। इसके लिये निरंतर छापामार कार्यवाही की जाये। श्री कावरे ने निर्देश दिये कि सभी एसडीएम जिला स्तर की तरह अनुभाग स्तर पर भी कोविड कंट्रोल सेंटर बनायें। होम आइसोलेशन में रखे गये कोरोना संक्रमित मरीजों से मोबाइल एवं वीडियो कॉल के माध्यम से सतत सम्पर्क बनाये रखें। उन्होंने कहा कि जिले के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में 30 अप्रैल तक घरों में रहने के लिये कड़ाई से पालन करवाया जाये। इसके लिये जिला प्रशासन सामाजिक संस्थाओं का भी सहयोग लें।

पंचायत एवं मनरेगा
के समस्त अभिलेख के थोक
एवं खेरिज विक्रेता
मनीष बंसल
मो.नं. 9755898938
पता-कल्पना नगर मुरार.

PTV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे PUSHPANJALI TODAY न्यूज़
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे ।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
WhatsaPP :- 9425665944, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगम हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478